दैनिक
लोकहित की पुकार

RNI-MPHIN/37343

राजगढ़, मंगलवार 21 मई, 2024 वर्ष-03 अंक-192 पृष्ठ-8 मूल्य- 2 रुपए

email-lokhit ki pukar@gmail.com

पेज- 7 घपले को दबाने लगा दी थी कलेक्टर कार्यालय में आग, तीन आरोपी पकड़े

पेज- 8 समय से नहीं हुआ जल प्रदाय परेशान जनता ने किया प्रदर्शन

कवर्धा में भीषण सड़क हादसा

30 फीट गहरी खाई में गिरा वाहन 18 की मौत, सीएम ने जताया दुख

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के पंडरिया ब्लॉक तहत कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम बाहपनी में आज दोपहर करीब 12 बजे पिकअप वाहन 30 फीट गहरी खाई में गिर गया। जिसमें से 18 लोगों की मौत की हो गई। वहीं 5 लोग घायल हैं। पिकअप में करीब 25 से अधिक लोग सवार थे। कुकदूर थाने से मिली जानकारी के अनुसार, पिकअप में बैठे लोग ग्राम सेमहारा (कुई) के रहने वाले हैं, जो कि तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे।

जिस सड़क में यह हादसा हुआ है वह प्रधानमंत्री सड़क में आती है। ये कुई से होते हुए नेऊर और रुकमीदादर को जोड़ती है। इसके बाद मध्य प्रदेश शुरू हो जाता है। घटना स्थल सुदुर वनांचल व पहाड़ी क्षेत्र में आता है। यहां पर मोबाइल नेटवर्क भी काम नहीं करता है। हादसे पर सीएम साय ने दुख जताते हुए कहा कि कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास पिकअप पलटने से 18 ग्रामीणों के निधन एवं 7 के घायल होने का दुःखद समाचार प्राप्त हो रहा है। घायलों के बेहतर इलाज के आवश्यक निर्देश ज़िला प्रशासन को दिए गए हैं। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिवार के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ।

डिप्टी सीएम विजयय शर्मा ने दुख जताते हुए कहा कि कवर्धा में मजदूरों से भरा वाहन पलटने से 18 लोगों के निधन की खबर अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी शोक-संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने इस दुर्घटना में अपनों को खोया है। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों और उनके परिजनों की हरसंभव सहायता में जुटा है।

एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि थाना कुकदूर क्षेत्र के तहत ग्राम बाहपानी के पास पिकअप वाहन खाई में गिरा है। पिकअप में लगभग 25 लोग सवार थे जो तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। सभी वापस आ रहे थे तभी ये हादसा हुआ है। घटना की सूचना पाकर पुलिस घटना स्थल के लिए रवाना हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक घटना स्थल में मोबाइल नेटवर्क काम नहीं करता, जंगल और पहाड़ी एरिया है। घटना स्थल से कुकदूर तहसील मुख्यालय करीब 35 किमी दूर है।

हादसे में 17 महिलाओं और एक पुरुष की मौत की एसपी अभिषेक पल्लव ने पुष्टि की है। ये लोग आज तीसरे दिन तेंदूपत्ता की तोड़ई करने गए थे। गांव का ही पिकअप वाहन था। वहीं चार लोग घायल हैं जिनमें तीन महिला और एक पुरुष शामिल है।

पीएम मोदी ने जताया दुख

हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इस दुर्घटना में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है।

सीएम साय ने जताया शोक

हादसे पर सीएम साय ने दुख जताते हुए कहा कि कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास पिकअप पलटने से 18 ग्रामीणों के निधन एवं 7 के घायल होने का दु:खद समाचार प्राप्त हो रहा है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिवार के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने हादसे पर जताया दुख

हादसे पर दुख जताते हुए छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम बाहपाली में तेंदूपत्ता संग्राहकों के पिकअप वैन की सड़क दुर्घटना का समाचार पीड़ादायक है। दुर्घटना में असमय काल कलवित हुए श्रमिकों एवं बैगा आदिवासियों की आत्मा की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

देशभर में पांचवें चरण का मतदान खत्म, 59 फीसदी हुई वोटिंग

नई दिल्ली। लोक सभा चुनाव के पांचवें चरण में विभिन्न क्षेत्रों में भीषण गर्मी और लू के बीच सोमवार को आठ राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की 49 सीटों पर औसतन 59 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव आयोग के अनुसार सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चला मतदान कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रहा। पांचवें चरण में ओडिशा विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 35 सीटों पर भी मतदान कराया गया, जिसमें इन सीटों के 60.70 प्रतिशत मतदाताओं ने भाग लिया। आयोग द्वारा रात साढ़े सात बजे जारी आंकड़ों के अनुसार पांचवें चरण में पश्चिम बंगाल की सात सीटों पर सर्वाधिक 73.00 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि सबसे धीमा मतदान महाराष्ट्र में हुआ, जहां मत प्रतिशत 49.01 है। आयोग के सूत्रों के अनुसार, मतदान कुल मिलाकर शांति पूर्ण रहा। इस चरण में बिहार की कुल 40 सीटों में कुल पांच सीटों के लिये मतदान में 52.60 प्रतिशत वोट डाले गये। झारखंड में 14 में तीन सीटों पर कराये गये मतदान में 63.00 प्रतिशत मतदान हुआ। महाराष्ट्र की कुल 48 में से 13 सीटों पर 49.01 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। ओडिशा में आज लोकसभा की 21 में से पांच सीटों पर मतदान कराया, जहां 60.72 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले।

उत्तर प्रदेश की 80 में से जिन 14 सीटों पर आज वोट डाले गये, उनमें मत प्रतिशत 57.79 रहा। जम्मू-कश्मीर की पांच सीटों में से आज बारामुला सीट पर मतदान कराया गया, जहां केन्द्र शासित प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी के अनुसार 1984 के बाद सर्वाधिक 59.00 प्रतिशत मत पड़े। लद्दाख की एक मात्र सीट पर 67.01 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस तरह इन 49 सीटों पर 695 प्रत्याशियों का भाग्य इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में दर्ज हो गया है। पांचवें चरण में लोकसभा चुनाव लड़ रहे, जिन प्रमुख प्रत्याशियों का चुनावी भाग्य तय होना है, उनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह (लखनऊ), कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी (रायबरेली), केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी(अमेठी), पीयूष गोयल (मुंबई उत्तर), जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला(बारामूला), लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान (हाजीपुर) और भारतीय जनता पार्टी के जुएल ओरांव (सुंदरगढ़) भी शामिल हैं। इसके अलावा इस चरण में केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, कौशल किशोर , डॉ प्रवीण भारती, शान्तनु ठाकुर, कपिल पाटिल, अन्नपूर्णा देवी, राजीव प्रताप रूड़ी और राष्ट्रीय जनता दल की रोहिणी आचार्य के भाग्य का ईवीएम में दर्ज हो गया। इस चरण में उत्तर प्रदेश की जिन 14 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें मोहनलाल गंज (सुरक्षित), लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन (सु.), झाँसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशाम्बी (सु.), बाराबंकी (सु.), फैजाबाद, कैसरगंज और गोण्डा शामिल हैं।

नर्सिंग घोटाला रिश्वतकांड में सीबीआई पर दाग

एक और निरीक्षक दो लाख के साथ गिरफ्तार

भोपाल। नर्सिंग घोटाले की जांच कर रही सीबीआई के दामन पर दाग लग गया है। जांच से जुड़े रिश्वतकांड में सोमवार को एक और खुलासा हुआ। सीबीआई के एक और निरीक्षक सुशील मजोकर को रिश्वत के दो लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया। सुशील मजोकर एसीबी भोपाल से सीबीआई में अटैच था।

रविवार को सीबीआई की दिल्ली टीम ने एक सीबीआई निरीक्षक समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया था। सोमवार को इन्हें कोर्ट के सामने पेश किया गया। कोर्ट ने इन्हें 29 मई तक रिमांड पर सौंपा है। गिरफ्तार सीबीआई अधिकारियों पर जांच में कॉलेजों के पक्ष में रिपोर्ट बनाने के लिए रिश्वत मांगने और लेने के आरोप हैं। जानकारी के अनुसार सीबीआई ने रतलाम नर्सिंग कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल जुगल किशोर शर्मा और भाभा कॉलेज भोपाल के प्रिंसिपल जलपना अधिकारी को भी गिरफ्तार किया है। सीबीआई के निरीक्षक राहुल राज को भी 10 लाख रुपये की रिश्वत के साथ रविवार को गिरफ्तार किया गया था। इसके साथ ही भोपाल के मलय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के चेयरमैन अनिल भास्करन, प्रिंसिपल सूना भास्करन और एक दलाल सचिन जैन को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। इनके अलावा इंदौर और रतलाम में 9 अन्य लोगों को पकड़ा था। इन सभी को सीबीआई ने सोमवार को कोर्ट में पेश किया।

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर चार आईएसआईएस आतंकवादी गिरफ्तार

अहमदाबाद। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर इस्लामिक स्टेट के चार आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। चारों आतंकी श्रीलंकाई नागरिक बताए जा रहे हैं। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की ओर से यह कार्रवाई की गई है। गुजरात एटीएस ने सोमवार को बताया कि उसने सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे से चार आतंकियो को गिरफ्तार किया है। हालांकि, गिरफ्तारी किस मामले में की गई है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पिछले साल अगस्त में एटीएस ने अलकायदा से कथित संबंधों के आरोप में राजकोट से तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। प्रथम दृष्टया वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के लिए लोगों को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने के लिए एक बांग्लादेशी हैंडलर के लिए काम कर रहे थे।

सीएम डॉ. यादव का केजरीवाल पर तंज, बोले-

बहन-बेटियों को पिटवाते हैं और पीए को बचाने नाटक करते हैं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि जो जमानत पर आए हैं, उनको क्या गिरफ्तार करोगे। उनको मालूम है कि उन्हें 2 दिन के बाद कहाँ जाना है ? कौन डर गया है ? जमानत पर कौन आया है? जमानत निरस्त कराएं, अभी अंदर चले जाएंगे। डॉ यादव ने केजरीवाल को लेकर कहा कि बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि इतने बड़ी जवाबदारी वाली जगह पर रहकर, कितनी हल्केपन की राजनीति करते हैं। जेल कोई मजाक है, जिस ढंग से वो बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार में इस ढंग का प्रदर्शन करके आप क्या चाह रहे हो ? आप बहन-बेटी का अपमान कर रहे हो, ये गलत बात है। कांग्रेस और आप पार्टी सब मिलकर गठबंधन करती है। और इस ढंग के हालात करती है कि पहले घर के अंदर आईएएस अधिकारी, चीफ सेक्रेटरी को मारते हैं। और अब बहन को पिटवाते हैं और अपने पीए को बचाने के लिए नाटक करते हैं। डॉ यादव ने कहा कि बहन के अपमान की स्थिति के लिए केजरीवाल माफ़ी नहीं मांगते। एक बार भी नहीं बोलते कि स्वाति मालीवाल के साथ ये घटना नहीं होनी चाहिए। अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री हो, इस ढंग की व्यवहार आप करोगे तो कौन बर्दाश्त करेगा ?

सीएम ने कहा कि वो यह नहीं कह रहे है कि स्वाति मालीवाल के साथ क्या-क्या हुआ। इसके लिए वो माफी मांगे। जनता सब जानती है। ये सब घटनाओं के लिए केवल अपने पाप को छिपाने के लिए जनता बहुत अच्छे से आप पार्टी को जान गई है। जो झूठों के पहाड़ पर खड़ी है। डॉ यादव ने कहा कि जिसने झूठ के आधार पर कहा था कि हम राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे, राजनीतिक दल बनाया। उन्होंने कहा कि मकान नहीं लेंगे, मकान लिया। सुरक्षा नहीं लेंगे, सुरक्षा ली। कोई गलत काम नहीं करेंगे, सबसे पहले शराब के घोटाले में बंद हुए और इनके चार-चार मंत्री बंधु भी शामिल हैं। अब घर में बुलाकर बहन-बेटी को पिटवा रहे हैं, ये बातें जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

एक जून से पहले ही यहां मानसून ने दी दस्तक

नई दिल्ली। देश उत्तर से लेकर दक्षिण तक तापमान कहर बरपा रहा है। लेकिन इसी बीच राहत की बात यही है कि अंडमान में मानसून ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि इस रविवार रात को मानसून की दस्तक दक्षिण अंडमान में हो चुकी है। लगातार पड़ रही गर्मी के बीच अपने देश में मानसून ने दस्तक दे दी है। यह दस्तक अंडमान-निकोबार में सोमवार सुबह आठ बजे के करीब हुई। मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल अंडमान में तय समय से कुछ दिन पहले ही मानसून के बादल टकराए हैं। अनुमान के मुताबिक अगले सात दिनों के भीतर केरल समेत आसपास के इलाकों में बारिश शुरू हो जाएगी। वहीं कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक ही तय समय पर मानसून की सक्रियता समूचे देश में होगी, तो इस बार फसलों की उत्पादकता बढ़ेगी।

उत्तर से लेकर दक्षिण तक तापमान कहर बरपा रहा है। लेकिन इसी बीच राहत की बात यही है कि अंडमान में मानसून ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि इस रविवार रात को मानसून की दस्तक दक्षिण अंडमान में हो चुकी है। महापात्रा कहते हैं कि मानसून की यह दस्तक वक्त से पहले हुई है। इसमें बंगाल की खाड़ी में दक्षिण के इलाके समेत अंडमान के समूचे हिस्से को अपनी जद में लेने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक इस मानसून का असर यह हुआ है कि दक्षिण के कुछ राज्यों में तेज बारिश के अलावा आंधी तूफान भी आया है। अंडमान निकोबार में मौसम विभाग के वैज्ञानिक शमशेर आलम बताते हैं कि काले बादलों की सक्रियता का असर दक्षिण के कुछ हिस्सों में दिखना शुरू हुआ है।

10 जून को ओडिशा में भाजपा की डबल इंजन सरकार

ढेंकनाल में पीएम मोदी का दावा; भ्रष्टाचार पर बीजद को घेरा

पुरी। पांचवें चरण के मतदान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ओडिशा के पुरी में हुंकार भरी। उन्होंने पुरी में भाजपा उम्मीदवार संवित पात्रा के समर्थन में रोड-शो किया। यहां रोड शो करने के बाद पीएम मोदी ने ढेंकनाल में रैली की। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) पर जमकर निशाना साधा।

पीएम मोदी ने कहा कि बीजद सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचारियों के कब्जे में है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचारी मुख्यमंत्री आवास और कार्यालय पर कब्जा करके बैठ चुके हैं। उन्होंने बीजद पर ओडिशा की संपत्ति और संस्कृति को नष्ट करने का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीजद की सरकार में जगन्नाथ मंदिर भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि 10 जून को भाजपा की डबल इंजन सरकार का शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा

रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, बीजद सरकार में जगन्नाथ जी का मंदिर भी सुरक्षित नहीं बचा है। पिछले छह साल से श्री रत्न भंडार की चाबी का भी अता-पता नहीं है। इसके पीछे का बहुत बड़ा राज बीजद सरकार और मुख्यमंत्री के करीबी लोग छिपा रहे हैं। पूरा ओडिशा जानना चाहता है कि जो जांच हुई थी, उसकी रिपोर्ट में ऐसा क्या है कि बीजद ने वो रिपोर्ट ही दबा दी?

पीएम मोदी ने आगे कहा, आप यहां भाजपा की सरकार बनाइए, भाजपा ओडिशा के बेटे या बेटी को ही यहां का मुख्यमंत्री बनाएगी। 10 जून को ओडिशा में भाजपा की डबल इंजन सरकार का शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा। क्योंकि, इस बीजद सरकार का जाना तय है।

बीजद पर ओडिशा की संस्कृति नष्ट करने का आरोप

रैली में पीएम मोदी ने बीजद सरकार को घेरा। उन्होंने राज्य सरकार पर ओडिशा की संस्कृति को नष्ट करने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा, बीजद के राज में न तो ओडिशा की संपदा सुरक्षित है और न ही ओडिशा की सांस्कृतिक धरोहर सुरक्षित है। ये तो पद्म सम्मान से पुरस्कृत अंतर्यामी मिश्रा जी की धरती है, जिन्होंने जगन्नाथ संस्कृति को लेकर इतना काम किया है।

बीजद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, मैं गुजरात से आया हूं, मैं सोमनाथ की धरती से जगन्नाथ की धरती को प्रणाम करने आया हूं। लेकिन, मैं ओडिशा में जब गरीबी देखता हूं, तो मेरे दिल में दर्द होता है कि इतना समृद्ध प्रदेश, इतनी महान विरासत वाले मेरे ओडिशा को किसने तबाह और बर्बाद कर दिया। इसकी वजह है बीजद सरकार, जो पूरी तरह भ्रष्टाचारियों के कब्जे में है। मुठ्ठी भर भ्रष्टाचारी मुख्यमंत्री आवास और कार्यालय पर कब्जा करके बैठ गए हैं। बीजद के छोटे-छोटे नेता भी करोड़ों के मालिक बन गए हैं। रैली में पीएम मोदी ने सभी लोगों विशेषकर पहली बार मतदान करने वालों से वोट डालने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में माताओं-बहनों और हमारे नौजवानों का अलग ही उत्साह दिख रहा है।

दिल्ली के दुर्गापुरी में भीषण आग...

धूं धूं कर जल गई 4 मंजिला इमारत, एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दुर्गापुरी इलाके में सोमवार की सुबह चार मंजिला एक इमारत में आग लग गई, जिसके कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने यह जानकारी दी। हादसे में जान गंवाने वाले जितेंद्र उर्फ छोटू इमारत के भूतल पर स्थित एक कपड़ा कंपनी के शोरूम में काम करते थे। अधिकारियों ने बताया कि डीएफएस को सुबह छह बजे रेमंड कंपनी के शोरूम में आग लगने की सूचना फोन पर मिली जिसके बाद दमकल की 22 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा कि दोपहर तक आग पर काबू पा लिया गया था। उन्होंने बताया कि आग पूरी इमारत में फैल चुकी थी। संभागीय अग्निशमन अधिकारी अशोक जायसवाल ने कहा कि आग पर काबू पाने के बाद कूलिंग अभियान चलाया गया। इमारत में रहने वाला एक व्यक्ति लापता था। उन्होंने बताया कि बाद में उसका शव बरामद कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि चार मंजिला इमारत 150 गज के भूखंड पर बनी है और इसके मालिक पदम सिंह और उनका भाई संजय सिंह हैं। उन्होंने बताया कि शोरूम भूतल और प्रथम तल से चलाया जा रहा था। इमारत की दूसरी मंजिल पर एक गोदाम है और तीसरी-चौथी मंजिल पर आवासीय क्वार्टर हैं। अधिकारी ने कहा कि सुबह जब आग लगी तो जितेंद्र उर्फ छोटू को छोड़कर सभी निवासी सुरक्षित रूप से इमारत से बाहर आ गए थे।

25 मई को होगा 'मातृशक्ति सम्मेलन, 25 हजार महिलाओं से सीधा संवाद करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में 21 मई को 'मातृशक्ति सम्मेलन में 25 हजार से अधिक महिलाओं से सीधा संवाद करेंगे। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी अरविंद मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार शाम को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में 25 हजार से अधिक 'मातृ शक्तियों (महिलाओं) से सीधा संवाद करेंगे।

वाराणसी से तीसरी बार चुनाव लड़ रहे पीएम मोदी

बता दें कि मोदी वाराणसी संसदीय सीट से तीसरी बार भाजपा के उम्मीदवार हैं, जिनके मुकाबले विपक्षी 'इंडिया% गठबंधन ने कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय को चुनाव मैदान में उतारा है। मोदी 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में वाराणसी से लगातार निर्वाचित हुए हैं और तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। प्रधानमंत्री ने 13 मई की शाम को वाराणसी में काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के मुख्य द्वार पर महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद काशी विश्?वनाथ धाम तक करीब छह किलोमीटर लंबा रोड शो किया था। 14 मई को नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद उन्होंने प्रबुद्धजनों से संवाद भी किया था।

सम्मेलन के लिए महिला पदाधिकारी घर-घर जा कर संपर्क कर रही है

जिला मीडिया प्रभारी ने बताया कि मोदी मंगलवार को 'मातृ शक्तियों से संवाद करेंगे। इस 'मातृशक्ति सम्मेलन में 25 हजार से अधिक महिलाएं शामिल होंगी। जिनमें महिला गृहणियां, डॉक्टर, शिक्षिकाएं, व्यापारी, अधिवक्ता, खिलाड़ी सहित सभी वर्ग की महिलाएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि महिला कार्यकर्ताओं को हर बूथ से 10 महिलाओं को लाना है। महिला मोर्चा की पदाधिकारी विभिन्न सामाजिक संगठनों, महिला महाविद्यालयों की छात्राओं, शिक्षिकाओं से संपर्क करके निमंत्रण दिया जा रहा है। 'मातृशक्ति सम्मेलन के लिए महिला पदाधिकारी घर-घर जा कर संपर्क कर रही हैं। इस 'मातृशक्तिसम्मेलन में हजारों की संख्या में महिला कार्यकर्ताओं को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा इस बड़े कार्यक्रम में महिला संचालन से लेकर पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था की जिम्मेदारी भी महिला पदाधिकारियों को ही सौंपी गई है। वाराणसी में लोकसभा चुनाव के अंतिम सातवें चरण में एक जून को मतदान होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली। भाजपा के राष्टीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी के राष्टीय महासचिवों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में महासचिवों के अलावा, अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। सोमवार को हुई बैठक में पांचवें चरण के चुनाव में पार्टी के अब तक के प्रदर्शन की समीक्षा की गई। इसी के साथ बाकी चरणों के लिए रणनीति भी तैयार की गई।

बैठक में भाजपा के राष्टीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, राष्टीय महासचिव अरुण सिंह, तरुण चुघ, पार्टी आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय, राष्टीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव शामिल थे।

श्रीलंका में मां सीता के मंदिर का अभिषेक

भारत की सरयू नदी से लाया गया जल, नेपाल से लाए गए परिधान

कोलंबो। श्रीलंका में देवी सीता को समर्पित एक हिंदू मंदिर के अभिषेक समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में हजारों लोग शामिल हुए। मंदिर के अभिषेक के लिए अयोध्या की सरयू नदी से जल लाया गया। द्वीप राष्ट्र के सीता एलिया गांव स्थित सीता अम्मा मंदिर में यह आयोजन किया गया।

समारोह में शामिल हुए हजारों लोग

श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने बताया कि इस समारोह के दौरान हजारों की संख्या में भारतीय, श्रीलंकाई और नेपाली श्रद्धालु शामिल हुए। इस समारोह का आयोजन श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त और आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर द्वारा किया गया। यह मंदिर मां सीता को समर्पित है और अभिषेक समारोह में अयोध्या की सरयू नदी से जल लाया गया था।

अयोध्या और नेपाल से लाया गया प्रसाद

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि सीता अम्मा मंदिर में अयोध्या और नेपाल से प्रसाद लाया गया। अयोध्या को भगवान श्रीराम की जन्मभूमि कहा जाता है और नेपाल को देवी सीता की जन्मभूमि कहा जाता है। यह भी बताया गया है कि इस अभिषेक समारोह में दुनियाभर के श्रद्धालु शामिल हुए। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत और नेपाल से देवी सीता के लिए परिधान लाए गए और आंध्र प्रदेश के तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से मिठाई और अन्य सामग्री लाई

जूता कारोबारियों पर आयकर छापाः नोट ही नहीं मिलीं ऐसी पर्चियां... जिनसे पलक झपकते ही हो जाते हैं लाखों के भुगतान

आगरा। आगरा में हरमिलाप ट्रेडर्स के प्रतिष्ठानों में आयकर छापे के दौरान बड़ी संख्या में पर्चियां निकली हैं। हींग की मंडी में इन पर्चियों पर ही कारोबार चलता है। इन पर्चियों पर लाखों के भुगतान पलक झपकते ही हो जाते हैं। ऐसे में कारोबारी के हवाला कनेक्शन को भी जांच के दायरे में लाया जा रहा है।

कारोबारी के ठिकानों पर शनिवार से चल रही कार्रवाई के दौरान प्रतिष्ठानों व आवासों में मिली लेनदेन की पर्चियों के अलावा करोड़ों की नकदी मिले हैं। इससे साफ है कि कारोबार में नकद का भुगतान बहुतायत में किया जा रहा था। जिस तरह से नकद के लेनदेन का हिसाब मिला है, उससे कारोबारी के हवाला कनेक्शन के तार भी जुड़े हो सकते हैं। आमतौर पर कारोबारी इतने बड़े पैमाने पर नकद का लेनदेन नहीं करते हैं। कार्रवाई के बाद इस कनेक्शन को जांच के दायरे में लाया जा सकता है। कारोबारी से करोड़ों की अघोषित आय के सरेंडर करने के कयास भी लगाए जा रहे हैं।

जूतों के डिब्बों में मिली नकदी

आयकर छापे की कार्रवाई के दौरान हरमिलाप ट्रेडर्स के गोविंद नगर स्थित आवास पर जूतों के डिब्बों में नकदी मिलने की जानकारी आई है। इसके बाद टीमें यहां भी नोट बरामद करके उनकी गिनती करने में जुट गई हैं।

बैंक कर्मियों की शिफ्टों में ड्यूटी

छापे के दौरान बरामद की गई नकदी की गिनती के लिए बैंक कर्मचारियों की शिफ्टों में ड्यूटी लगाई गई है। शनिवार शाम से चल रही कार्रवाई के दौरान रविवार शाम तक भी नोटों की गिनती की जा रही थी। यहां पर कई बैंकों के कर्मचारियों को लगाया गया है। छुट्टी के दिन भी उनकी ड्यूटी रही। पूरे दिन हींग की मंडी चांदी बाजार और जूता कारोबारियों के बीच भी आयकर छापे की चर्चा रही। छापे में मिली नकदी को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। जूता कारोबारी के चांदी के कारोबार से जुड़े होने की आशंका से भी इन्कार नहीं किया जा सकता है।

नाबालिग सगी बहन से भाई करते थे दुष्कर्म

गाजियाबाद। गाजियाबाद में दो भाइयों को अपनी नाबालिग सगी बहन के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, गाजियाबाद के टीला मोड़ थाना में पीड़िता की मां की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी के आधार पर दोनों भाइयों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस में दी गई शिकायत के अनुसार, दोनों भाइयों ने आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली अपनी 14 वर्षीय बहन के साथ दुष्कर्म किया। वे दोनों पिछले साल से उसका यौन शोषण कर रहे थे, जिससे वह गर्भवती हो गयी।

उलुबेरिया निर्वाचन क्षेत्र से बीएसएफ के जवान को चुनाव ड्यूटी से हटाया गया

भारत निवाचन आयोग
ELECTION COMMISSION
OF
INDIA

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के उलुबेरिया निर्वाचन क्षेत्र से बीएसएफ के एक जवान को चुनाव ड्यूटी से हटा दिया। दरअसल, बीएसएफ के जवान पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया है। रविवार की शाम को एक महिला ने जवान के खिलाफ उलुबेरिया पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

चुनाव आयोग के अधिकारी ने कहा, हमने उन्हें चुनाव ड्यूटी से हटा दिया। हम पुलिस रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। दोषी पाए जाने पर कानून के मुताबिक उचित कार्रवाई की जाएगी।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदान शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र समेत आठ राज्यों की 49 सीटों पर मतदान कराए जा रहे हैं। इस चरण में 695 प्रत्याशी मैदान में हैं। पश्चिम बंगाल में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान कराए जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने लगभग 30,000 पुलिसकर्मियों के अलावा केंद्रीय बलों के 60,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया है। पांचवें चरण के मतदान के बीच पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में बैरकपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अर्जुन सिंह और टीएमसी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। अर्जुन सिंह ने आरोप लगाया कि मतदान के लिए टीएमसी कार्यकर्ता लोगों को उनके घरों से निकलने नहीं दे

खड़े डीसीएम में घुसी कार, हादसे में मां-बेटा व मौसी की मौत

कानपुर। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें कानपुर की तरफ से फतेहपुर जा रही कार खड़े डीसीएम में जा घुसी। हादसे में मां-बेटा व मौसी की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं पांच साल की बच्ची सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची महाराजपुर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया। वहीं घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पांच साल की बच्ची सहित दो घायल

जानकारी के मुताबिक तौहीद कादरी (50) दिल्ली में बिजनेस करते हैं। रविवार को वह अपने परिवार के साथ कानपुर एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। सोमवार सुबह वह अपने गांव फतेहपुर जनपद के खैरही गांव (खागा) जा रहे थे। तभी थाना महाराजपुर क्षेत्र के विराट ढाबा के पास तेज रफ्तार कार खड़ी डीसीएम में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में गाड़ी चला रहा अदनान पुत्र तौहीद कादरी (23), नूर फातिमा पत्नी तौहीद कादरी, रीना पत्नी लकी (26), तौहीद (50) व अमायरा (5) पुत्री लकी गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह सभी लोगों को बाहर निकाल कर उपचार के लिए सरसौल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने नूर फातिमा (40), अदनान (23) व रीना (26) को मृत घोषित कर दिया। वहीं तौहीद कादरी (50) व पांच साल की मासूम अमराया को गंभीर चोटें आईं। घायलों को चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं हदासे की जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। महाराजपुर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम भेज दिया।

सत्र अदालत के फैसले को हाईकोर्ट ने भी रखा बरकरार, दुष्कर्म और हत्या के आरोपी को मृत्युदंड

कोच्चि। दुष्कर्म और हत्या के आरोपी को सत्र अदालत ने मौत की सुनाई थी, जिसे केरल उच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा। उच्च न्यायालय ने सत्र अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। दरअसल, दरअसल, 2016 में आरोपी अमीरुल इस्लाम ने 30 वर्षीय दलित युवती के साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसकी हत्या कर दी थी। इसी मामले में एर्नाकुलम प्रिंसिपल सेशन कोर्ट ने 2017 में अमीरुल को दोषी माना और मृत्युदंड की सजा सुनाई। इस्लाम ने सत्र अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

इन मामलों में कोर्ट ने आरोपी को सुनाई सजा

जानकारी के अनुसार, इस्लाम असम का रहने वाला है और वह यहां मजदूरी करता है। सत्र अदालत ने इस्लाम को विभिन्न मामलों में आरोपी माना, जैसे- 449 (मौत की सजा वाले अपराध के लिए घर में अतिक्रमण), 342 (गलत कारावास की सजा), 302 (हत्या), 376 (बलात्कार) और 376 (ए) (बलात्कार करते समय मौत का कारण बनना या महिला को लगातार निष्क्रिय अवस्था में रखना)।

कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी को पकड़ा गया

मामले में विशेष जांच दल ने डीएनए और कॉल रिकॉर्ड विवरण का सत्यापन किया। इस्लाम ने हत्या के तुरंत बाद पेरुंबवूर छोड़ दिया था। जांच दल ने आरोपी को 50 दिन बाद तमिलनाडु के कांचीपुरम से गिरफ्तार किया। मामले में 100 से अधिक पुलिस कर्मियों ने 1500 से अधिक लोगों से पूछताछ की। जांच दल ने पांच हजार से अधिक लोगों की उंगलियों के निशान की जांच की। उन्होंने इस्लाम का पता लगाने के लिए करीब 20 लाख से अधिक बार टेलीफोन पर बात की।

रामकृष्ण मिशन पर दिए बयान पर बढ़ा विवाद, बंगाल सीएम ने दी सफाई, कहा- मैं किसी संस्थान के खिलाफ नहीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ को लेकर सियासी बवाल खड़ा हो गया है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले पीएम मोदी ने जमकर निशाना साधा। वहीं अब उन्हें टिप्पणी करने के लिए कानूनी नोटिस भेजा गया है। हालांकि इन सबके बीच उन्होंने सफाई दी है। बनर्जी ने परोपकारी कार्यों के लिए रामकृष्ण मिशन या भारत सेवाश्रम संघ की प्रशंसा की। उन्होंने सोमवार को कहा कि वह किसी संस्था के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन राजनीति में शामिल होने के लिए एक या दो लोगों की आलोचना की है।

लोकसभा चुनाव के बीच राज्य की मुख्यमंत्री का संतों के राजनीति में आने के बयान पर पहले भी कई हलकों में हंगामा हो चुका है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारत सेवाश्रम के कार्तिक महाराज पर भाजपा के लिए प्रचार करने और तृणमूल एजेंटों को चुनाव में बैठने से रोकने का आरोप लगाया था। इन्हीं आरोपों को लेकर नरेंद्र मोदी ने तीखी आलोचना। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस वोट बैंक के तुष्टीकरण के लिए इन सामाजिक-धार्मिक संगठनों को धमका रही है। वहीं, प्रदीप्तानंद महाराज ने ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी नोटिस भी भेजा है, लेकिन कार्तिक महाराज को लेकर दिए गए अपने बयान पर तृणमूल सुप्रीमो अब भी अड़ी हुई हैं।

मैंने एक या दो व्यक्तियों के बारे में की थी बात

ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर एक बार फिर सोमवार को अपनी बात रखी। उन्होंने बांकुड़ा के ओंदा में एक चुनावी सभा में कहा, मैं रामकृष्ण मिशन के खिलाफ नहीं हूं। मैं किसी भी संगठन का अपमान क्यों करूंगी? किसी संगठन का अपमान नहीं किया है। मैं गंगासागर में भारत सेवाश्रम जाती हूं। वे मुझसे बहुत प्यार करते हैं, ख्याल रखते हैं, देश

शिकायतों का अधिक से अधिक सन्तुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता एवं गति लाए : कलेक्टर

टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाइन एवं राजस्व प्रकरणों की समीक्षा

भोपाल। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सभी विभागों के अंतर्गत लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा कर निर्देश दिए कि सभी विभाग प्रमुख स्वयं शिकायतकर्ता से 07 दिवस के भीतर संपर्क कर शिकायत की वास्तविकता को समझकर निराकरण करना सुनिश्चित करेंगे। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्वयं 2 शिकायतकर्ताओं से फोन पर बात की एवं उनकी शिकायत सुनी और संबंधित अधिकारी को निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही अधिक से अधिक शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सिंह ने लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (स्न्नरू) को बैंकिंग से संबंधित शिकायतों का अधिक से अधिक निराकरण करने के निर्देश दिए।आरसीएमएस पोर्टल पर राजस्व प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कोलार, टीटी नगर, एमपी नगर, हुजूर, बैरागढ़ एवं गोविन्दपुरा तहसील के प्रकरणों को देखा तथा सीमांकन, नामांतरण, बटांकन के प्रकरणों को जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए। सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदारों एवं राजस्व अधिकारियों को कार्य को गंभीरता से करने के निर्देश दिए।

शहर में कही भी अवैध कॉलोनी न कटे। सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें कि शहर में कही भी अवैध कॉलोनी का निर्माण न हों। अवैध कॉलोनी निर्माण की जानकारी लगने पर तुरंत कार्रवाई कर प्रकरण दर्ज करें। मतगणना संबंधी सभी व्यवस्थायें समय पर कर ले, मतगणना के संबंध में आदेश जारी किया जा चुका हैं सभी संबंधित अधिकारी अपनी-अपनी तैयारी पूरी कर लें। कलेक्टर सिंह ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी को आंगनबाड़ियों के रंग-रोगन एवं सुव्यवस्थित करना, पानी की उचित व्यवस्था, स्कूल, शिक्षा विभाग एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग को अपने स्कूल एवं हॉस्टल में नए सत्र प्रारंभ होने के पहले मरम्मत के कार्य एवं पानी, शौचालय उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। भोपाल के सभी संस्थानों में फायर सेफ्टी सिस्टम एवं इलेक्ट्रीकल्स सेफ्टी सिस्टम ऑडिट करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने भोपाल जिले में खनिज अधिकारी को पुलिस एवं प्रशासन के संयुक्त दल के साथ अवैध रेत एवं अवैध उत्खनन पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही फूड सेफ्टी अधिकारी को मिलावट के खिलाफ अभियान और सख्त करने के भी निर्देश दिए गए।

अल्प विराम-स्वयं से मुलाकात कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग द्वारा मंत्रालय वल्लभ भवन, सतपुड़ा एवं विंध्याचल में पदस्थ पुलिसकर्मियों के लिये दो दिवसीय अल्पविराम - स्वयं से मुलाकात कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अल्पविराम शांत समय मे अंतरात्मा की आवाज को सुनने का एक अभ्यास है जो सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रक्रिया को मजबूत बनाता है। अल्पविराम कार्यक्रम के माध्यम से जीवन में आंतरिक आनंद के महत्व पर चर्चा की गईद्य सेशन में विभिन्न टूल्स के माध्यम से जीवन का लेखा-जोखा, हमारे रिश्ते, चिंता का दायरा, प्रभाव का दायरा और विभिन्न रोचक गतिविधियों के माध्यम से जीवन में मानवीय मूल्यों के महत्व पर गहराई से सभी अधिकारियों कर्मचारियों के साथ चर्चा कर एवं अनुभव साझा किये। कार्यक्रम में मुख्य सुरक्षा अधिकारी/ सहायक पुलिस आयुक्त अविनाश शर्मा, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, राज्य आनंद विभाग के निदेशक प्रवीण गंगराड़े, कार्यक्रम समन्वयक मनु दीक्षित एवं मास्टर ट्रेनर राजेंद्र असाटी, प्रदीप महतो, सीमा अग्निहोत्री और मुकेश करुरा उपस्थित थे।

वन भवन से उल्लू का रेस्क्यू

भोपाल। वन मुख्यालय (वन भवन) से 17 मई, 2024 को सामान्य वन मण्डल भोपाल की रेस्क्यू टीम द्वारा एक उल्लू को रेस्क्यू कर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में लाया गया। उक्त उल्लू का तत्समय वन्यप्राणी चिकित्सक श्री रजत कुलकर्णी द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उसके पंखों में चोट पाए जाने पर उसका इलाज कर पिंजरे में क्वॅारेन्टाईन बाड़े में रखा गया है। यह उल्लू कामन-बार्न आऊल प्रजाति का है वैज्ञानिक नाम है। यह वन्यप्राणी संरक्षण अधिनिम 1972 (यथा संशोधित 2022) के शेडयूल-1 पार्ट-क्क के अंतर्गत आता है। वर्तमान में उक्त उल्लू स्वस्थ है एवं नियमित भोजन भी कर रहा है। उल्लू के पूर्ण स्वस्थ होने पर उसे प्राकृतिक रहवास (वन क्षेत्र) में छोड़ दिया जायेगा।

कार्यकर्ताओं का आकलन, पहले से ज्यादा सरल हो गए हैं:आलोक शर्मा

भोपाल। कभी कार्यकर्ताओं को झिड़क भी दिया करते थे और कभी-कभार भोपाली स्टाइल की कोई गाली भी उनके मुख से अनचाहे टपक जाया करती थी। जिम्मेदारियों के बीच सख्त रवैया अपनाए रखने की मजबूरी भी उनके साथ बनी रही है। जन से जुड़े कामों के लिए अफसरों को फटकार लगा देने के लिए भी उनकी बदनामी जैसी ख्याति बन गई थी। लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद भोपाल से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा के व्यवहार में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहे हैं।

दो दिन पहले अपने परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर निकले आलोक अब चुनावी चिंताओं से दूर दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि वे कुछ समय अपने परिवार के साथ बिताने की नीयत से धार्मिक स्थल के लिए निकले हैं। इस दौरान वे अपने आराध्य को नमन, अब तक की सकारात्मक परिस्थियों के लिए आभार और बेहतर भविष्य की कामना इस दौरान करेंगे।

आलोक शर्मा से सियासी तौर पर जुड़े भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नेता सैयद आरिफ अली और असद मकसूद बताते हैं कि चुनाव के बाद आलोक भाई के व्यवहार में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। वे पहले से ज्यादा सहज, सरल और सुलभ हो गए हैं। कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की उनकी पुरानी आदत है। इसमें अब और विस्तार हो गया है। वे छोटे कार्यकर्ताओं के हर सुख दुख से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। साथ ही अपनी मेहनत के दम पर जीती हुई बाजी का आभार प्रकट करना भी आलोक भाई ने शुरू कर दिया है।

जब-जब हारे, तब-तब उभरे

मोहल्ले की सियासत से लेकर प्रदेश तक में अपनी छाप छोड़ चुके आलोक शर्मा के साथ यह किवदंती भी जुड़ गई है कि जब-जब उनके हिस्से हार आई है, तब-तब उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उत्तर विस से पहली बार चुनाव में शिकस्त पाने के बाद आलोक शर्मा ने महापौर चुनाव में कामयाबी दर्ज की थी। एक विधानसभा की बजाए उन्हें पूरे शहर के लिए काम करने का मौका मिला था। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्हें फिर हार का मुंह देखना पड़ा था। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने आलोक पर दोबारा विश्वास जताया। अब वे शहर और प्रदेश की सीमा से बाहर राष्ट्रीय स्तर पर काम करने के लिए आगे बढ़ गए हैं। भाजपा के लिए सुरक्षित सीट मानी जाने वाली भोपाल लोकसभा से अवश्यभावी मानी जा रही आलोक की जीत के बाद वे भारतीय ससद में अपने शहर और प्रदेश के आवाज उठाते नजर आने वाले हैं।

नेता पुत्रों की खुलेगी किस्मत, शिवराज गए संसद तो कार्तिकेय के लिए विधानसभा का रास्ता होगा आसान

भोपाल। परिवारवाद का परचम उठाए रखने वाली भाजपा में अगले कुछ हफ्तों में वंशवाद के नजारे दिखाई दे सकते हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद प्रदेश में संभावित कुछ विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बड़े नेताओं के पुत्र अपनी किस्मत आजमाते दिखाई दे सकते हैं।

प्रदेश भाजपा के कई बड़े नेताओं के बेटे लंबे समय से सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के पुत्र भी शामिल हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय के लिए सबसे पहले रास्ता आसान होता दिखाई दे रहा है। कार्तिकेय लंबे समय से अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय भी हैं और युवाओं के बीच उनकी ख्याति भी बनी हुई है। 4 जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद बुदनी विधानसभा के विधायक शिवराज सिंह चौहान का संसद में जाना तय माना जा रहा है। इसके चलते उन्हें विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना पड़ेगा। इसके बाद बुदनी विधानसभा पर उप चुनाव होना तय है।

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री कुर्सी त्यागने और खुद को प्रदेश की सियासत से बाहर खड़ा करने के फैसले में शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय नेतृत्व से अपनी कुछ मांगें स्वीकार करवाई हैं। इन मांगों में बुदनी की खाली होने वाली विधानसभा सीट पर बेटे कार्तिकेय को समायोजित करने की शर्त भी शामिल बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि उप चुनाव में कार्तिकेय की उम्मीदवारी क्षेत्र की जनता सहर्ष स्वीकार भी कर लेगी और उनके लिए जीत के रास्ते आसान भी बना देगी।

कतार में यह भी

प्रदेश के बड़े नेताओं में शुमार विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र सिंह तोमर भी राजनीति में सक्रिय हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान कुछ विवादों के साथ देवेंद्र का नाम अपने क्षेत्र ग्वालियर से आगे बढ़कर प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी गूंजा था। केंद्रीय सियासत से किनारा करने के मुआवजे के तौर पर नरेंद्र सिंह तोमर अपने बेटे के लिए उप चुनाव में कोई सीट केंद्रीय नेतृत्व से मांग सकते हैं। इसी तरह भाजपा के कद्दावर नेताओं में शामिल पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव भी अपने बेटे अभिषेक के लिए फिक्रमंद हैं। अभिषेक भी लंबे समय से गढ़ाकोटा विधानसभा में सक्रिय सियासत कर रहे हैं। लेकिन फिलहाल इस सीट पर गोपाल भार्गव खुद विधायक के रूप में काबिज हैं, जिसके चलते अभिषेक के लिए कोई गुंजाइश दिखाई नहीं दे रही है।

भोपाल में लाखों की नोट बरामद करने वाली टीम में शामिल आरक्षक ने थाने में की आत्महत्या की कोशिश

भोपाल। राजधानी भोपाल के अशोका गार्डन थाने में पदस्थ एक आरक्षक बीती देर रात थाने के ऊपरी मंजिल में आत्महत्या की कोशिश की है। आत्महत्या करने की सूचना के बाद थाने का स्टॉफ कमरे में पहुंचा और आरक्षक को फंदा लगाने से पहले बचा लिया गया। वह आत्महत्या का प्रयास कर रहा था।

आरक्षक अशोका गार्डन थाना पुलिस की उस टीम में शामिल था, जो कटे-फटे नोट बदलने वाले कैलाश खत्री के घर छापा मारने पहुंची थी। कैलाश खत्री के घर से नोटों से भरे 6 बैग पुलिस के लापरवाही से बैरागढ़ स्थित कैलाश खत्री के बहन के घर जाने के मामले में टीआई वंदना लाकड़ा, दो उप निरीक्षक सहित पांच पुलिसकर्मी बीते दिनों निलंबित किए जा चुके हैं। अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी डीसीपी जोन-1 जांच कर रही हैं। आत्महत्या का प्रयास करने वाला आरक्षक भी कैलाश खत्री के यहां छापा मारने वाली पुलिस टीम में शामिल था।

आरक्षक को इस बात की चिंता है कि जांच के बाद उसे भी निलंबित किया जा सकता है। पुलिस सूत्रों की मानें तो आरक्षक ने थाने के ऊपर की मंजिल पर जाकर एक कमरे में फंदा बनाकर झूलने वाला था। इसी बीच ग्राउंड फ्लोर में थाने के सीसीटीवी के मॉनीटर पर आरक्षक को फंदा बनाते हुए पुलिसकर्मियों ने देख लिया। इसके बाद पुलिसकर्मी दौड़ते हुए ऊपर के कमरे में पहुंचे और आरक्षक को बचा लिया। आरक्षक ने आत्महत्या से पहले थाने के एक एएसआई से खुद को बेकसूर बताते हुए रोया था। देर रात एसीपी हबीबगंज ने भी आरक्षक से बात की तो वह रोते हुए खुद को बेकसूर बताया। एसीपी ने उसके साथ किसी भी प्रकार का गलत नहीं होने का भरोसा दिलाया, इसके बाद वह शांत हो सका। बताते हैं कि उसके खिलाफ जब से जांच चल रही है, वह तभी से तनाव में रहने लगा था।

कैलीग्रॉफी एण्ड ग्रॉफिक डिजाईन सेंटर के नए बैच में प्रवेश प्रारंभ की अंतिम तिथि 21 जून

भोपाल। कौमी काउंसिल बराए फरोग-ए-उर्दू जबान, नई दिल्ली द्वारा मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग की निगरानी में स्थापित कैलीग्रॉफी एण्ड ग्रॉफिक डिजाईन सेंटर'' में वर्ष 2024-26 सत्र के लिये प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। यह कोर्स दो वर्ष का है। पहले वर्ष कैलीग्रॉफी की ट्रेनिंग दी जायेगी तथा दूसरे वर्ष में ग्रॉफिक डिजाइन की ट्रेनिंग दी जायेगी।

सेंटर में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवार अकादमी से प्राप्त निर्धारित फार्म 21 जून, 2024 तक कार्यालय में समय से जमा कर सकते हैं। फार्म सीमित हैं, जो अंतिम तिथि से पूर्व समाप्त हो सकते हैं। उम्मीदवार को कम से कम उर्दू विषय सहित मैट्रिक पास या उसके समकक्ष अदीब, माहिर या अदीब कामिल होना आवश्यक है। उर्दू भाषा का अच्छा ज्ञान हो एवं आयु 15 से 35 वर्ष होना चाहिये, जिसका प्रमाण पत्र लगाना आवश्यक है। इस सेंटर में प्रवेश एवं ट्रेनिंग की कोई फीस नहीं है। साथ ही ट्रेनिंग से संबंधित सामग्री एवं पुस्तकें सेंटर से निश्शुल्क दी जायेंगी।

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने ब्लॉक स्तर पर चलाएगी मंथन कार्यक्रम

लोकसभा प्रत्याशियों ने बताई परेशानियां

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक हुई, पहली बार प्रदेश के सभी लोकसभा प्रत्याशी शामिल हुए, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं से बड़े नेताओं को अवगत कराया और मतगणना को लेकर भी सतर्कता के तैयारी पर चर्चा की गई। अंदर से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस आगे के 10 साल का रोड मैप तैयार कर रही है। इसी सिलसिले में रणनीति बनाई गई है।

बैठक खत्म होने के बाद पीसीसी चीफ, प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बैठक से ये निकलकर सामने आया कि केंद्र और राज्य सरकार ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया है। चुनाव जीतने के लिए हर हथकंडा अपनाया, बीजेपी ने सोशल मीडिया का दुरुपयोग किया और बीजेपी ने धर्म और जाति का कार्ड चुनाव में खेला है। बीजेपी वोटर्स को डरा रही थी। योजना बंद करने की धमकी मतदाताओं को बीजेपी ने दी थी।

संगठन को मजबूत करने के लिए कांग्रेस ने मेगा प्लान बनाया है। 15 जून से कांग्रेस का मंथन कार्यक्रम शुरू किया जाएगा, जिसमें सभी बड़े नेता ब्लॉक स्तर पर जाकर कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनेंगे और आगे का रोड मैप तैयार करेंगे। प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा कि ब्लॉक लेवल पर वरिष्ठ नेता जाएंगे। ब्लॉक लेवल पर पहुंचकर कांग्रेस से जुड़े प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने के लिए रणनीति बनाई जाएगी। करीब 2 महीने तक अभियान चलेगा। ब्लॉक स्तर के बाद जिला स्तर पर अभियान चलेगा। जिला स्तर के बाद प्रदेश स्तर पर 4 दिन की कार्यशाला होगी, फिर उसके बाद बैठक में तय किया जाएगा कि संगठन को मजबूत करने के लिए क्या-क्या किया जाए। संगठन मजबूत करने के साथ कांग्रेस पार्टी से ओबीसी, महिला, एसटी,एससी वर्ग कैसे जुड़े इस पर विचार होगा।

कमलनाथ बोले- चुनाव में पुलिस और प्रशासन का इस्तेमाल

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बीजेपी पर जमकर निशना साधते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा ने बेईमानी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। चुनाव में पुलिस और प्रशासन का इस्तेमाल किया गया।

कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशियों की बैठक से पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मीडिया को बयान देते हुए कहा कि मतदान के बाद कांग्रेस का अच्छा परिणाम आने वाला है। आम जनता कांग्रेस के साथ है। छिंदवाड़ा से लेकर हर सीट तक जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। बता दें कि आम चुनाव के नतीजे 04 जून को जारी होंगे। इसके बाद खुलासा होगा कि किसके सिर पर सजेगा जीत का ताज और किसके हाथ लगेगी निराशा।

जो कांग्रेस के लिए काम कर रहा है उसका रखा जाना चाहिए ध्यान

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल ने कहा कि पीसीसी की टीम में अभी तीन-चार हजार लोग थे। पीसीसी का जो संविधान है उसके अनुसार सीमित संख्या में प्रदेश कांग्रेस कमेटी का गठन होना चाहिए। मेरा-तेरा वाली भावना नहीं जो कांग्रेस के लिए काम कर रहा है, उसका ध्यान रखा जाना चाहिए। बिना जानकारी के नियुक्तियां कर दी जाती हैं, जिनकी नाराजगी दूर करने के लिए पद दिए जाते हैं, चुनावों में वही लोग काम नहीं करते है।

आर्थिक स्थिति के लिए श्वेत पर जारी करना चाहिए

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति के लिए मध्य प्रदेश सरकार को श्वेत पर जारी करना चाहिए और इसको लेकर हम सदन में भी मुद्दा उठाएंगे। हम सभी विधायकों को तैयार कर रहे हैं इस मुद्दे को प्रमुखता से पटल पर रखा जाएगा। जीतू प्रभावी ने संगठन को मजबूत करने को लेकर कहा है कि सभी को मौका दिया जाएगा। ब्लॉक स्तर पर हम मंथन करने जा रहे हैं। प्रदेश के सभी बड़े नेता इस मंथन कार्यक्रम में सहभागी बनेंगे। इस कार्यक्रम के तहत आगामी नगर निकाय, पंचायत और अगले विधानसभा चुनाव के हिसाब से तैयारी की जाएगी।

प्रत्याशियों ने मतगणना को लेकर सवाल खड़े किए हैं

जीतू पटवारी ने कहा- सभी प्रत्याशियों ने मतगणना को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं, कई भावनाएं व्यक्त की है। प्रशासन हठधर्मिता कर सकता है। उसको लेकर हम सभी जगह प्रभारी भेजेंगे। मैं मानता हूं भाजपा का चाल चरित्र और चेहरा है, वह टोटल बेइमानी है। प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह ने कहा कि चुनाव में जनता ने भाजपा का असली चेहरा देखा। मैं मध्यप्रदेश के साथ आसाम का प्रभारी हूं। दोनों राज्यों के साथ देश में अच्छे परिणाम आएंगे। हमारे कैंडिडेट के साथ मध्यप्रदेश की जनता भी चुनाव लड़ रही थी। अंडर करंट चल रहा है। चौंकाने वाले परिणाम आएंगे। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि इंदौर में अक्षय बम को परिणाम भोगना पड़ेंगे। हमारे मालवा में कहावत है कि विष दे दो लेकिन विश्वास मत देना। उन्होंने कांग्रेस का विश्वास तोड़ा है। न्यायपालिका ने संज्ञान लेकर 307 धारा लगाई है। दोनों पिता-पुत्र को गिरफ्तार होना पड़ेगा। छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ बैठक में नहीं पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार नहीं आए। वहीं, राजगढ़ प्रत्याशी दिग्विजय सिंह बिहार की राजधानी पटना के दौरे पर हैं। वे मीटिंग में वर्चुअली जुड़े हैं। जबकि लोकसभा चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों में से नीटू सिकरवार मुरैना, फूल सिंह बरैया भिंड, प्रवीण पाठक ग्वालियर, रामू टेकाम बैतूल, ओंकार सिंह मरकाम मंडला, राधेश्याम मुवेल धार, सिद्धार्थ कुशवाहा सतना, कांतिलाल भूरिया रतलाम, अरुण श्रीवास्तव भोपाल बैठक के लिए पीसीसी दफ्तर पहुंचे हैं।

25 मई को काउंटिंग एजेंट को ट्रेनिंग देगी

कांग्रेस 4 जून को होने वाली मतगणना के लिए कांग्रेस जिलेवार प्रभारी की नियुक्ति करेगी। इसके बाद 25 मई को भोपाल में मध्य प्रदेश की 27 लोकसभा सीटों के काउंटिंग एजेंट की ट्रेनिंग रखी गई है।

संपादकीय

मालीवाल के सवाल

देश में जारी आम चुनाव की प्रक्रिया के बीच आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ कथित मारपीट प्रकरण की हकीकत भले ही जांच के बाद सामने आएगी, लेकिन मुद्दे के राजनीतिक लाभ उठाने के लिये चौतरफा प्रयास हो रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार पर आप सांसद ने मारपीट के आरोप लगाए थे। हालांकि, इस प्रकरण में बिभव कुमार की गिरफ्तारी हो चुकी है, लेकिन चुनावी माहौल में ये आरोप आम आदमी पार्टी नेतृत्व को मुश्किल में डालने वाले हैं। इस प्रकरण ने आप और महिला सुरक्षा व न्याय के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर सवालिया निशान लगाए हैं। गंभीर बात यह है कि बिभव कुमार पर थप्पड़ व लात मारने और मौखिक रूप से दुर्व्यवहार करने का विवरण प्राथमिकी में दर्ज है। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह भी कि एक फेक वीडियो इस घटनाक्रम का बताकर वायरल किया गया है। ऐसे तमाम प्रकरण भारतीय राजनीति में पहले भी आते रहे हैं जब राजनीतिक लाभ के लिये कल्पित धारणा वास्तविक मुद्दे को पार्श्व में डाल देती है। विडंबना यह है कि लोकसभा चुनावों के बीच यह घटना प्रतिद्वंद्वी दलों के लिये, आप द्वारा अपनाए गए उच्च नैतिक आधार को चुनौती देने का नया मुद्दा बन गई है। निश्चित रूप से इस प्रकरण के गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। वहीं यह घटना महिला सुरक्षा पर भारतीय राजनीतिक लोकाचार के लिये एक परीक्षा भी है।

बहरहाल, इस घटनाक्रम ने महिलाओं के अधिकारों की मुखर वकालत करने वाले आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को कठघरे में खड़ा कर दिया गया है। उन पर इस मुद्दे पर बयान देने से बचने का आरोप लगाया जा रहा है। जहां कुछ पार्टी नेता भी इस मुद्दे पर कोई बयान देने से बच रहे हैं, वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह इस मुद्दे पर बचाव से ज्यादा मुखर मुद्रा में नजर आ रहे हैं। वे केजरीवाल के करीबी बिभव कुमार के खिलाफ सख्त कार्रवाई को राजनीतिक पैंतरेबाजी का हिस्सा बता रहे हैं। वैसे यह हकीकत है कि जब महिला उत्पीड़न की बात सामने आती है तो कोई भी राजनीतिक दल बेदाग नजर नहीं आता। हाल ही में कर्नाटक में जनता दल (एस) के लोकसभा प्रत्याशी प्रज्वल रेवन्ना पर लगे यौन शोषण के गंभीर आरोप भी यही बात साबित करते हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह पर महिला पहलवानों से छेड़छाड़ के आरोप लगे हैं। निस्संदेह, ये मामले एक चिंताजनक प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो राजनीति में पितृसत्तात्मक प्रकृति को ही उजागर करते हैं। ऐसा लगता है कि राजनीतिक विचार पीड़ितों के कल्याण पर भारी पड़ रहे हैं। भले ही राष्ट्रीय महिला आयोग ने मालीवाल प्रकरण में स्वतः संज्ञान लिया है, लेकिन दिल्ली पुलिस को इस मामले में किसी राजनीतिक दबाव में आए बिना स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से जांच करनी चाहिए।

आत्मा पर मरहम-सा असरकारी प्रायश्चित

सीताराम गुप्ता

प्रेमचंद ने कहा है कि पश्चाताप के कड़वे फल कभी न कभी सभी को चखने पड़ते हैं। पश्चाताप या पछताना वह मानसिक पीड़ा अथवा चिंता की स्थिति है जो किसी अनुचित काम को करने के उपरांत उसके भयंकर परिणाम या अनौचित्य का ध्यान करके अथवा किसी उचित या उपयोगी कार्य को न करने के कारण उत्पन्न होती है। पश्चाताप एक तरह से अपनी गलती की स्वीकृति की तरह होता है और जब तक हम उस गलती को सुधार नहीं लेते हमें चैन नहीं मिलता। और उस सुधार का नाम है प्रायश्चित। पश्चाताप एक तरह से निदान अथवा डायग्नोसिस होता है और प्रायश्चित उपचार की तरह। शास्त्रों के अनुसार प्रायश्चित वह कार्य अथवा प्रक्रिया है जिसके करने से मनुष्य पाप अथवा अधर्म से छूट जाता है। पाप और पुण्य दोनों हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डालते हैं। सरल शब्दों में, दूसरों को किसी भी रूप में पीड़ा या कष्ट पहुंचाना ही वास्तव में पाप है और ऐसे किसी भी पाप का परिमार्जन ही प्रायश्चित है। पश्चाताप के कड़वे फल सभी को कभी न कभी चखने पड़ते हैं। मनुष्य गलतियों का पुतला है। अतः गलतियां होना अथवा दूसरों को पीड़ा पहुंचाना स्वाभाविक है। गलतियां होंगी तो कम से कम अच्छे लोगों को पश्चाताप भी होगा ही। यदि हम पश्चाताप की आग में जलते रहते हैं लेकिन उसके प्रायश्चित अथवा परिमार्जन के लिए कुछ नहीं करते तो ऐसा पश्चाताप मात्र ढोंग होगा। यदि हम किसी को पीड़ा पहुंचाते हैं, किसी का आर्थिक शोषण करते हैं अथवा हमारी वजह से किसी का जीवन समाप्त हो जाता है तो ऐसी अवस्था में राज्य का कानून अपना काम करेगा। ये सजा और जुर्माना प्रायश्चित नहीं कहा जा सकता। किसी भी अपराध अथवा गलती के लिए जब हम स्वयं को दंड देते हैं और भविष्य में वैसा कार्य न करने का संकल्प लेते और निभाते हैं तभी प्रायश्चित पूर्ण होता है। प्रायश्चित वास्तव में एक उपचार प्रक्रिया है जिससे हम पश्चाताप की पीड़ा के प्रभाव से मुक्त हो जाते हैं। वास्तविक प्रायश्चित एक विशुद्ध मानसिक प्रक्रिया है। जब तक हम अपनी गलती नहीं स्वीकार करेंगे उसका सुधार करने की ओर कैसे अग्रसर होंगे? इसके लिए अनिवार्य है कि अपनी मानसिकता को ऐसी बनाएं जिससे भविष्य में कभी अधर्म अथवा अपराध न हों। हम हर छोटी से छोटी बात को देखें और जो भी गलत लगे उसे अपनी मन रूपी स्लेट से पौंछते रहें। जो सही प्रतीत हो उसे बार-बार लिखते रहें। प्रायश्चित वास्तव में एक सतत तपश्चर्या है। यदि हम इसे अपने जीवन में लागू नहीं करेंगे तो किसी दिन बड़ी गलती अवश्य कर बैठेंगे। सतत तपश्चर्या ही सबसे कठिन होती है लेकिन जो प्रायश्चित के मूल्य को जानते हैं वे सतत तपश्चर्या को जीवन में सबसे अधिक महत्व देते हैं क्योंकि किसी भयंकर भूल का पूर्ण प्रायश्चित संभव ही नहीं। यदि हमारी गलती की वजह से किसी की जीवनलीला समाप्त हो जाती है तो प्रायश्चित कैसे संभव है? हम किसी भी तरह से घटनाओं को वापस उसी अवस्था में नहीं ला सकते। प्रायश्चित का अर्थ है समग्र उपचार अथवा होलिस्टिक हीलिंग। यदि हम गलती, अपराध, पाप अथवा अधर्म करते हैं तो बाह्य दंड पर्याप्त नहीं। जब हम उसे स्वीकार कर स्वयं भी अपने आपको दंड देते हैं तभी प्रायश्चित की प्रक्रिया पूर्ण होती है। स्वयं को स्वयं कैसे दंड दें यह बहुत जटिल है। इसी जटिलता ने प्रायश्चित की प्रक्रिया को लूटतंत्र में बदल दिया है। वास्तविकता है कि हम अपराध करने के बावजूद कानून से बचने का भरसक प्रयास करते हैं। गलतियों को जस्टीफाई करने में लग जाते हैं। यदि हमसे कोई बड़ी गलती अथवा अपराध हो जाता है तो प्रायश्चित का पहला कदम उसे स्वीकार करना ही है। चर्च में पादरी के समक्ष अपने गुनाहों की स्वीकृति अथवा कंफेशन भी यही है। लेकिन मात्र अपराध स्वीकार करने से ही बात नहीं बनती। उस अपराध के दुष्प्रभाव को भी कम करना अनिवार्य है। यदि किसी का आर्थिक नुकसान हो जाता है तो उसकी क्षतिपूर्ति भी अनिवार्य है। लेकिन मात्र क्षतिपूर्ति भी प्रायश्चित नहीं। कई ऐसी स्थितियां होती हैं जिनकी क्षतिपूर्ति संभव ही नहीं। आज जिसे हम प्रायश्चित कहते हैं वह वास्तव में आंशिक क्षतिपूर्ति मात्र है। इससे हमारा पाप न कम होता है, न मिटता है। पाप अपना प्रभाव छोड़ता है तो पुण्य भी अपना प्रभाव छोड़ता है। पाप के प्रभाव को नष्ट करने के लिए हम व्रत, दान अथवा कर्मकांड आदि जो उपाय करते हैं उससे हमारा पाप कभी नहीं मिट सकता लेकिन कुछ अच्छा करके हम संतुष्टि का अनुभव करते हैं।

शादी के आधे-अधूरे विकल्पों का मोह

> इसी बदले वक्त ने विवाह के नाम पर कुछ प्रयोग भी सिखाए हैं, जिन्हें विवाह नहीं कहा जाता। जैसे कि बहुत से जोड़े तमाम किस्म की जिम्मेदारी से बचने के लिए लिव-इन में रहना पसंद करते हैं। वे कहते भी हैं कि जब तक मन करे साथ रहो, जब रिश्ता न चले तो अलग हो जाओ। किसी भी तरह की कानूनी प्रक्रिया और भाग-दौड़ की जरूरत नहीं। लेकिन लिव-इन के रिश्ते जब टूट जाते हैं तो आज भी लड़कों के मुकाबले लड़कियों को इसकी आफत को ज्यादा झेलना पड़ता है। कई परिचित लड़कियों के साथ ऐसा होते देखा है। पश्चिमी देशों की तरह अब यहां साथी के लिए पार्टनर जैसे शब्द भी इस्तेमाल होने लगे हैं। पश्चिमी देशों में तो बाकायदा पार्टनर के साथ रहने के लिए एक कानूनी प्रक्रिया होती है। यदि ऐसे रिश्ते से बच्चे हैं तो उनकी जिम्मेदारी कैसे उठाई जाएगी। स्त्री-पुरुष और बच्चों के क्या अधिकार होंगे।

क्षमा शर्मा

अपने देश में विवाह आज भी एक महत्वपूर्ण संस्था है। बदले वक्त ने इसे अरबों के बाजार में भी तब्दील कर दिया। मंगनी से लेकर हल्दी, मेहंदी, प्रि-वैडिंग, प्रि-वैडिंग शूट और भी न जाने कौन-कौन से फंक्शन हर दिन जुड़ते चले जा रहे हैं। ये तब है जब विवाह बड़ी संख्या में टूट रहे हैं। हाल ही में एक खबर ने चौंकाया था कि चूंकि पति पत्नी के लिए कुरकुरे लाना भूल गया तो वह नाराज होकर मैके चली गई और वहां से तलाक के कागजात भिजवा दिए। लेकिन फिर भी शादी के अनाप-शनाप खर्चे बढ़ते जा रहे हैं। ऐसी भी खबरें आती हैं कि शादी के लिए युवा बहुत बड़ी-बड़ी रकमों का लोन लेते हैं और लम्बे समय तक उसे चुकाते रहते हैं। बीच में शादी टूट गई तो दूसरी आफतें अलग से।

इसी बदले वक्त ने विवाह के नाम पर कुछ प्रयोग भी सिखाए हैं, जिन्हें विवाह नहीं कहा जाता। जैसे कि बहुत से जोड़े तमाम किस्म की जिम्मेदारी से बचने के लिए लिव-इन में रहना पसंद करते हैं। वे कहते भी हैं कि जब तक मन करे साथ रहो, जब रिश्ता न चले तो अलग हो जाओ। किसी भी तरह की कानूनी प्रक्रिया और भाग-दौड़ की जरूरत नहीं। लेकिन लिव-इन के रिश्ते जब टूट जाते हैं तो आज भी लड़कों के मुकाबले लड़कियों को इसकी आफत को ज्यादा झेलना पड़ता है। कई परिचित लड़कियों के साथ ऐसा होते देखा है। पश्चिमी देशों की तरह अब यहां साथी के लिए पार्टनर जैसे शब्द भी इस्तेमाल होने लगे हैं। पश्चिमी देशों में तो बाकायदा पार्टनर के साथ रहने के लिए एक कानूनी प्रक्रिया होती है। यदि ऐसे रिश्ते से बच्चे हैं तो उनकी जिम्मेदारी कैसे उठाई जाएगी। स्त्री-पुरुष और बच्चों के क्या अधिकार होंगे। इसी तरह उत्तराधिकारी का निर्णय कैसे होगा। सम्पत्ति किस तरह बंटेगी। यदि रिश्ता न चला तो किसका क्या अधिकार होगा। हर बात की लिखित कार्यवाही होती है। अपने यहां पार्टनर के साथ रहने की भी कुछ शर्तें हैं या नहीं, ये पता नहीं है। कायदे से बदले वक्त के साथ अगर युवा इस तरह के रिश्तों में जा रहे हैं तो इन पर नैतिकतावादी विचार लादने के मुकाबले इन सम्बंधों के लिए भी अलग से कानून बनने चाहिए। वैसे दुनियाभर में कहा जा रहा है कि अकेलापन सबसे बड़ी महामारी के रूप में बढ़ रहा है। इसका बड़ा कारण परिवार का न होना है। ऐसा होता दिख भी रहा है। लेकिन यह बात तब तक शायद ही समझ में आती है जब तक हम युवा होते हैं। उम्र बढ़ने पर जब किसी सहारे की जरूरत होती है, तो आसपास कोई नहीं दिखता। जिन विचारों की लौ जलाए रखने के लिए परिवार से दूर हुए वे लौ भी बुझ चुकी होती हैं। आसपास कोई सुनने वाला तक नहीं होता। ऐसे लोग इन दिनों अपने देश में भी खूब दिखते हैं जो अस्सी-पचासी साल में अकेले रहते हैं। या वृद्धाश्रमों की शरण लेते हैं। इनमें से बहुतों को परिवार की उपेक्षा के कारण इन स्थानों पर जाना पड़ता है। लेकिन बहुत से ऐसे भी होते हैं जिनका कोई परिवार ही नहीं है। ऐसे कई लोगों को आसपास देखती हूं, जिन्होंने परिवार नहीं बसाया। ये अक्सर अकेले आते-जाते और बैठे दिखाई देते हैं। और अक्सर आते-जातों को आशा भरी नजरों से देखते हैं कि कोई तो हो जो कुछ देर पास बैठकर हाल-चाल पूछ ले।

इन्हीं प्रसंगों में पिछले दिनों, जापान के बारे में एक खबर पढ़ी कि वहां फ्रेंडशिप मैरिज का चलन बढ़ रहा है तो इस बारे में जानने की जिज्ञासा हुई। इस बारे में पढ़ने लगी। यहां बताते चलें कि जापान का समाज अकेलेपन की वजह से लगभग तबाही की स्थिति में है। अधिकांश लोग अकेले रहते हैं। युवा विवाह नहीं करना चाहते। जिनका विवाह हुआ है वे बच्चे नहीं चाहते। इसीलिए वहां सरकार युवाओं को परिवार बसाने और बच्चे पैदा करने के लिए तरह-तरह के फायदे देने की बात भी करती है, मगर वहां लोग शादी ही नहीं करना चाहते। इसीलिए फ्रेंडशिप मैरिज के बारे में जानने की जिज्ञासा और बढ़ी।

जितना पढ़ती गई हैरान होती गई। इस तरह के विवाह में दम्पति के बीच में किसी तरह का भावनात्मक या शारीरिक रिश्ता नहीं होता है। इस तरह की शादियों की संख्या जापान में दिन पर दिन बढ़ रही है। ऐसे लोगों के बारे में बताया जाता है कि या तो वे होमो सेक्सुअल हैं या हीट्रोसेक्सुअल। वहां लोग पारंपरिक विवाह से दूर हो रहे हैं। कोलोरस नाम की एजेंसी इस तरह के विवाह कराती है। अब तक सैकड़ों विवाह करा चुकी है। ऐसे दम्पति बच्चे भी पालते हैं। ये लोग या तो सरोगेसी का सहारा लेते हैं अथवा बच्चे गोद ले लेते हैं। कानूनी रूप से पति- पत्नी होते हैं लेकिन किसी भी तरह का रिश्ता इनके बीच में नहीं होता है। ये जोड़े इस शादी से बाहर किसी और से, अपने मनपसंद व्यक्ति से भी सम्बंध रख सकते हैं।

शादी से पहले ये युवा आपस में सारे मसलों पर बातचीत करते हैं। एक ऐसे जोड़े ने कहा कि फ्रेंडशिप मैरिज का मतलब सरल शब्दों में ये है कि एक जैसी रुचियों वाले रूममेट को पाना। एक लड़की ने कहा कि मैं किसी की अच्छी प्रेमिका नहीं हो सकती, न मैं अच्छी पत्नी बन सकती हूं, लेकिन मैं अच्छी दोस्त हो सकती हूं। इसीलिए मैं किसी ऐसे दोस्त की तलाश में थी, जिसकी रुचियां मुझसे मिलती हों। हम एक-दूसरे से हर विषय पर बात कर सकें। एक-दूसरे के साथ से आनंदित हो सकें। जब ऐसा व्यक्ति मिला तो मैंने फ्रेंडशिप मैरिज के बारे में सोचा। ऐसी शादियां वे जोड़े चुन रहे हैं, जिनकी आय अच्छी खासी है और वे किसी रिश्ते के मुकाबले एक अच्छे साथी की तलाश में हैं। इस तरह की शादी के विशेषज्ञ एक वकील ने इसे परिभाषित करते हुए कहा- वे जो दोस्त अच्छे हैं, लेकिन लवर्स नहीं हैं। बताया जा रहा है कि जापान की एक सौ चौबीस मिलियन जनसंख्या में एक प्रतिशत लोग इस तरह की शादी का चुनाव कर रहे हैं। इन शादियों में कानूनी तौर पर हर काम का बंटवारा भी होता है। कौन कब घर की देखभाल करेगा, कपड़े कौन धुलवाएगा। कौन-सी जिम्मेदारी किसकी कब-कब होगी। लोग जापान में ये भी कह रहे हैं कि वह दिन दूर नहीं जब यहां पारंपरिक विवाह खत्म हो जाएंगे। हालांकि देखा जाए तो फ्रेंडशिप मैरिज में भी लोग जिम्मेदारियां उठा ही रहे हैं। वे साथी पाने के लिए बहुत-सी शर्तें भी मान रहे हैं। बच्चे भी पाल रहे हैं। ऐसे में कई बार यह भी लगता है कि नए के नाम पर कोई नई परंपरा चला दी जाए, ठीक है। लेकिन इसे देखते हुए पारंपरिक विवाह में ही ऐसी क्या बुराई है।

जश्न अपने रंग-रोशनी का

इमरोज़ से मेरी पहली मुलाक़ात 1991 में हुई थी। मैं अमृता प्रीतम का इंटरव्यू करने गई थी। वह नवंबर या दिसम्बर की कोई सर्द शाम थी जब मैं हौज़ ख़ास के उनके घर पहुंची। उस रात जब तवील गुफ्तगू के बाद मैं अमृता के कमरे से निकली और इमरोज़ मुझे दरवाज़े तक छोड़ने आए तो बातों-बातों में सीढ़ियां उतरते हुए मैंने उन्हें बशीर बद्र का ये शे'र सुनाया, 'कोई फूल-सा हाथ कांधे पे था, मेरे पांव शोलों पे जलते रहे।' उस मुलाक़ात के बाद अमृता से तो मुलाक़ातों का सिलसिला चल ही निकला, इमरोज़ के साथ भी एक रिश्ता क़ायम होता गया। आहिस्ता-आहिस्ता मुझ पर खुलता गया कि इमरोज़ को पानियों की तरह मिट्टी में भी जज्ब होने का हुनर खूब आता है। वह जज्बाती भी हैं और अमली दानिश रखने वाले एक बेहद व्यवस्थित और व्यावहारिक शख़्स भी। उनकी पहचान एक आर्टिस्ट के तौर पर तो है ही, लेकिन उनकी पहचान का एक हवाला अमृता भी हैं और यह हवाला इतना मज़बूत है कि इससे अलग उनको देख पाना अमूमन मुश्किल लगता है। लेकिन जो इमरोज़ को क़रीब से जानते हैं वे इमरोज़ के अपने रंग, रोशनी और रक्स को पहचानते हैं और ये ऐसे रंग हैं जिनके प्रभाव बल्कि प्रभामंडल से निकल पाना नामुमकिन है। इमरोज़ की मिट्टी का गुदाज़, लोच और लचक देख कर हैरत होती है कि कोई इतना सहज भी हो सकता है। जब मेरी अमृता से मुलाक़ात हुई थी, इमरोज़ की आमदनी अमृता से ज्यादा थी। अमृता उस वक्त माली तौर पर जद्दोजहद कर रही थीं। रेडियो पर मुलाज़मत करती थीं और किताबों से उनकी कोई ख़ास आमदनी नहीं थी। वक्त बदला और अमृता की आमदनी में इज़ाफ़ा हो गया, किताबों से रॉयल्टी भी अच्छी आने लगी। लेकिन आमदनी की कमी बेशी कभी उन दोनों की ज़िंदगी में रुकावट नहीं बनी। इमरोज़ को कैलीग्राफ़ी का शौक़ था। अपने पसंदीदा शायरों, अदीबों के नाम उन्होंने तरह-तरह से लिखे हैं। उनमें एक नाम पंजाबी सूफ़ी शायर सुल्तान बाहू का है।

राजीव की 21वीं सदी के भारत निर्माण की बुनियाद के साथ ही भाजपा की ताक़त बढ़ी !

> उन्होंने जिले के एक गांव में प्रतिभाओं की मदद के लिए नवोदय विद्यालय बनवाए। सिर्फ़ अपने पांच साल में इक्कीसवीं सदी की बुनियाद रखी।पंजाब में शांति समझौता भी महत्वपूर्ण कार्य था।वे1984 से 1989तक वे देश के छठवें प्रधानमंत्री रहे।40 साल की उम्र में देश के प्रधानमंत्री बना दिए गए लेकिन राजीव गांधी ने अपने कार्यकाल में ऐसे भी कई फैसले लिए हैं जो बहुत महत्वपूर्ण और दूरगामी साबित हुए, जबकि कुछ का तो उनके निजी जीवन पर असर पड़ा। हम सब जानते हैं राजीव गांधी ने अनुज संजय गांधी की 1980 में हवाई दुर्घटना के बाद राजनीति में पदार्पण किया तथा चार साल बाद 1984 इंदिरा जी की असामयिक क्रूर मौत के बाद उन्हें प्रधानमंत्री बनाया गया राजीव जी की खुशी का नहीं बल्कि एक बड़ी चुनौती था। लेकिन कहते हैं जो सच्चे प्रेमी होते हैं वे।इस ख़तरे को भांप लेते हैं राजीव गांधी की प्रेम कहानी से सब भिज्ञ है।वे हम दो हमारे दो प्यारे बच्चों राहुल और प्रियंका के साथ सुकून से रहते थे।राजनीति से उनका दूर दूर का कोई वास्ता नहीं था।

सुसंस्कृति परिहार

जैसा कि हम सब भली-भांति जानते हैं राजीव गांधी स्वभाव से गंभीर, अभिनव मुस्कान के धनी, राजनीति से दूर करिश्माई व्यक्तित्व वाले थे।जब वे बेमन से प्रधानमंत्री बने तब उनकी अत्याधुनिक सोच एवं निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता का पता चला। श्री गांधी देश को दुनिया की उच्च तकनीकों से पूर्ण करना चाहते थे और जैसा कि वे बार-बार कहते थे कि भारत की एकता को बनाये रखने के उद्देश्य के अलावा उनके अन्य प्रमुख उद्देश्यों में से एक है ङ्क इक्कीसवीं सदी के भारत का निर्माण।देश के कम्प्यूटराइजेशन और टेलीकम्युनिकेशन क्रान्ति का श्रेय उन्हें ही जाता है।स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में महिलाओं को 33त्न रिजर्वेशन दिलवाने का काम उन्होंने किया। मतदाता की उम्र 21 वर्ष से कम करके 18 वर्ष तक के युवाओं को चुनाव में वोट देने का अधिकार राजीव गांधी ने दिलवाया।

उन्होंने जिले के एक गांव में प्रतिभाओं की मदद के लिए नवोदय विद्यालय बनवाए। सिर्फ़ अपने पांच साल में इक्कीसवीं सदी की बुनियाद रखी।पंजाब में शांति समझौता भी महत्वपूर्ण कार्य था।वे1984 से 1989तक वे देश के छठवें प्रधानमंत्री रहे। 40 साल की उम्र में देश के प्रधानमंत्री बना दिए गए लेकिन राजीव गांधी ने अपने कार्यकाल में ऐसे भी कई फैसले लिए हैं जो बहुत महत्वपूर्ण और दूरगामी साबित हुए, जबकि कुछ का तो उनके निजी जीवन पर असर पड़ा।

हम सब जानते हैं राजीव गांधी ने अनुज संजय गांधी की 1980 में हवाई दुर्घटना के बाद राजनीति में पदार्पण किया तथा चार साल बाद 1984 इंदिरा जी की असामयिक क्रूर मौत के बाद उन्हें प्रधानमंत्री बनाया गया राजीव जी की खुशी का नहीं बल्कि एक बड़ी चुनौती था। लेकिन कहते हैं जो सच्चे प्रेमी होते हैं वे। इस ख़तरे को भांप लेते हैं राजीव गांधी की प्रेम कहानी से सब भिज्ञ है।वे हम दो हमारे दो प्यारे बच्चों राहुल और प्रियंका के साथ सुकून से रहते थे। राजनीति से उनका दूर दूर का कोई वास्ता नहीं था। राजीव जब एक शंकराचार्य के कहने और मां के आग्रह पर कांग्रेस में शामिल हुए तो सोनिया जी ने उन्हें सख्ती से मना किया ,कहते हैं अनबोला भी रहा पर राजीव ने मां की बात सुनी पत्नि की नहीं। सोनिया ने अपने संस्मरण में लिखा भी है तुम भारतीय मां बाप के आगे पत्नी की सुनते कहां हो? बहरहाल उनके राजनीति में प्रवेश करने के बाद सोनिया ने समझदारी दिखाई और वे फिर खुश रहने लगीं। उन्होंने भारतीय परम्परा से समझौता करना ही उचित समझा। यह तो स्पष्ट था कि राजनीति में अपना करियर बनाने में उनकी कोई रूचि नहीं थी। उनके सहपाठियों के अनुसार उनके पास दर्शन, राजनीति या इतिहास से संबंधित पुस्तकें न होकर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की कई पुस्तकें हुआ करती थीं। हालांकि संगीत में उनकी बहुत रुचि थी। उन्हें पश्चिमी और हिन्दुस्तानी शास्त्रीय एवं आधुनिक संगीत पसंद था। उन्हें फोटोग्राफी एवं रेडियो सुनने का भी शौक था।हवाई उड़ान उनका सबसे बड़ा जुनून था।

अपेक्षानुसार इंग्लैंड से घर लौटने के बाद उन्होंने दिल्ली फ्लाइंग क्लब की प्रवेश परीक्षा पास की एवं वाणिज्यिक पायलट का लाइसेंस प्राप्त किया। जल्द ही वे घरेलू राष्ट्रीय जहाज कंपनी इंडियन एयरलाइंस के पायलट बन गए थे।वे मेकेनिकल इंजीनियर थे। कभी-कभी किसी की जिंदगी में अप्रत्याशित मोड़ आ जाते हैं वैसा ही राजीव के साथ हुआ। राजनीति से दूरी उनकी करीबी बन गई।एक कुशल पायलट की तरह उन्होंने देश को समझने अपने पहले प्रधानमंत्री चुनाव में व्यापक लगभग 250दौरे किए तथा लाखों भारतीयों से मुलाकात की।तब उन्होंने अध्यक्ष के नाते 508 में से 401पर कांग्रेस को विजय दिलाई थी। पिछले सात चुनावों में कांग्रेस का वोट प्रतिशत भी तब बढ़ा।देश में पीढ़ीगत बदलाव के अग्रदूत श्री गांधी को देश के इतिहास में सबसे बड़ा जनादेश प्राप्त हुआ था। अपनी मां की हत्या के शोक से उबरने के बाद उन्होंने लोकसभा के लिए चुनाव कराने का आदेश दिया था।

700 करोड़ भारतीयों के नेता के रूप में इस तरह की शानदार शुरुआत किसी भी परिस्थिति में उल्लेखनीय मानी जाती है। यह इसलिए भी अद्भुत है क्योंकि वे उस राजनीतिक परिवार से संबंधित थे जिसकी चार पीढ़ियों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एवं इसके बाद भारत की सेवा की थी, इसके बावजूद श्री गांधी राजनीति में अपने प्रवेश को लेकर अनिच्छुक थे एवं उन्होंने राजनीति में देर से प्रवेश भी किया। नवंबर 1982 में जब भारत ने एशियाई खेलों की मेजबानी की थी, स्टेडियम के निर्माण एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने संबंधी वर्षों पहले किये गए वादे को पूरा किया गया था। श्री गांधी को यह जिम्मेदारी दी गई थी कि सारे काम समय पर पूर्ण हों एवं यह सुनिश्चित किया जा सके कि बिना किसी रूकावट एवं खामियों के खेल का आयोजन किया जा सके। उन्होंने दक्षता एवं निर्बाध समन्वय का प्रदर्शन करते हुए इस चुनौतीपूर्ण कार्य को संपन्न किया। साथ-ही-साथ कांग्रेस के महासचिव के रूप में उन्होंने उसी तन्मयता से काम करते हुए पार्टी संगठन को व्यवस्थित एवं सक्रिय किया। उनके सामने आगे इससे भी अधिक मुश्किल परिस्थितियां आने वाली थीं जिसमें उनके व्यक्तित्व का परीक्षण होना था।वे इसमें सफल रहे थे जिससे उन्हें पहली राजनैतिक ख्याति मिली। व्यक्तिगत रूप से इतने दुःखी होने के बावजूद उन्होंने संतुलन, मर्यादा एवं संयम के साथ राष्ट्रीय जिम्मेदारी का निर्वहन किया।नियति को लेकिन कुछ और ही मंजूर था।1989 के चुनाव में कांग्रेस हालांकि एक बड़ी पार्टी के रुप में उभरी वह जनता गठबंधन के आरोपों खासतौर पर बोफोर्स के कारण सरकार नहीं बना पाई सन् 1990 तक तब तीन प्रधानमंत्री बने किंतु अंदरुनी कलह से यह सरकार गिर गई और आमचुनावों की घोषणा हुई। राजीव को अपरिपक्व, अनचाहा, एक्सीडेंटल, परिवारवाद आदि के आरोपो का सामना करना पड़ा।1991में वे चुनाव प्रचार कर रहे थे कि तमिल इलम के लोगों ने श्रीलंका सरकार को शांति सैनिक भेजने के प्रतिरोध में उन्हें श्रीपैराम्बदूर में बम से उड़ा दिया। वे बेमन से आए थे और बेमन से चले गए।

लोग कहते हैं उनमें पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसी राजनीतिक समझ नहीं थी। हालांकि चुनाव बाद कांग्रेस के नरसिंहराव ने सरकार बनाई किंतु यह सच है राजीव एक धूर्त कांग्रेस विरोधी गुट से घिर गए थे जिससे कालांतर में भाजपा की ताक़त बढ़ी।जिसे सत्ता से हटाने पिछले दस वर्षों से उनके पुत्र राहुल गांधी मोर्चा संभाले हुए हैं।

पार करें जीत की पहली सीढ़ी

कम समय में नियोक्ता पर अपने प्रोफाइल का अच्छा प्रभाव जमाने की बात आती है तो विजुअल रेज्यूमे आपको भीड़ से अलग करता है। इसमें नियोक्ता को उम्मीदवार के बारे में सटीक जानकारी मिलती है।

क्या है विजुअल रेज्यूमे

विजुअल रेज्यूमे आपकी योग्यताओं, उपलब्धियों और अनुभव को एक आकर्षक प्रारूप में पेश करने का तरीका है। यह एक ऐसा दस्तावेज है, जो आपके करियर और उससे जुड़ी आपकी उपलब्धियों को इंफोग्राफिक्स के रूप में दर्शाता है। इसमें पारंपरिक रेज्यूमे के सभी पहलुओं के साथ आपकी उपलब्धियों से जुड़े वीडियो, इमेज और लिंक्स भी होते हैं।

कैसे है बेहतर

पारंपरिक टेक्स्ट रेज्यूमे में विशिष्टता की कमी होती है। किसी भी नियोक्ता को, जिसे हर रोज सैकड़ों रेज्यूमे देखने पड़ते हैं, उसके लिए टेक्स्ट रेज्यूमे के पन्नों में से प्रासंगिक जानकारी निकालना बेहद कठिन हो जाता है। विजुअल रेज्यूमे इसी मकसद को पूरा करता है। इसकी जानकारी इस काम में उसकी मदद करती है और आकर्षक डिजाइन बोझिलता को कम करके अच्छा प्रभाव डालता है। इसमें मौजूद आकर्षक ग्राफिक्स और चार्ट्स महज कुछ ही सेकेंड में आपकी प्रोफाइल को विशिष्ट तौर पर नजर में आने में मदद करते हैं।

सबसे जरूरी है यह ध्यान रखना कि ऐसा स्पष्ट क्रमवार विजुअल रेज्यूमे तैयार किया जाए, जिससे नियोक्ताओं को उपयुक्त और सही जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सके। इसके अलावा जरूरी है कि ध्यान भटकाने वाले विजुअल एलिमेंट्स के इस्तेमाल से बचा जाए, क्योंकि ये नियोक्ताओं की विश्लेषण क्षमता को प्रभावित करके सही निर्णय लेने में व्यवधान डालते हैं और उन्हें कुशलता और अनुभव जैसी सबसे महत्वपूर्ण जानकारी से भटका देते हैं।

वेबसाइट्स और टूल्स

कई ऐसी वेबसाइट्स और टूल्स हैं, जिनकी मदद से आप आसानी से अपना विजुअल रेज्यूमे तैयार कर सकते हैं। यह आपके लिंक्ड इन अकाउंट या फेसबुक प्रोफाइल से सीधे डेटा लेकर आपकी शैक्षिक योग्यता के साथ-साथ क्षमताओं और कुशलताओं का दमदार विजुअल रेज्यूमे तैयार कर देते हैं।

विजुअल सीवी

यह एक फ्री सर्विस है, जो आपको इंटरनेट आधारित रेज्यूमे तैयार करने की सुविधा देती है। इसमें आप ऑडियो, वीडियो और डिजिटल करियर पोर्टफोलियो को एक साथ समाहित कर सकते हैं। यह रेज्यूमे को बेहद प्रभावी विजुअल डॉक्यूमेंट में तब्दील कर देती है।

विजुअलाइज मी

यह साइट आकर्षक टाइमलाइन ग्राफिक्स के जरिए आपकी जॉब हिस्ट्री का प्रभावी चित्रण करती है। इसके लिए आपको फ्री अकांउट के लिए साइनअप करना होगा। इसके बाद अपने लिंक्ड इन प्रोफाइल से इसे जोड़ कर आप अपना ऑनलाइन रेज्यूमे तैयार कर सकते हैं।

आरईवीयू

इसमें भी फ्री अकाउंट बना कर आप चाहें तो अपना सारा विवरण खुद भर सकते हैं या फिर अपने लिंक्ड इन अकाउंट से इसे जोड़ सकते हैं। करियर से जुड़ी आपकी पूरी जानकारी के आधार पर यह आपका एक बेहद प्रभावशाली विजुअल रेज्यूमे तैयार कर देगी।

किंजा

यूजर के लिंक्ड इन प्रोफाइल से डेटा लेकर, किंजा आपका इंफोग्राफिक रेज्यूमे तैयार कर देती है, जो कि नौकरी से जुड़ी आपकी कुशलताओं और दायित्वों को विशिष्ट रूप से दर्शाता है। अगर आप अपनी पर्सनेलिटी, टाइम मैनेजमेंट स्किल, निर्णय लेने की क्षमता आदि को दर्शाना चाहते हैं तो किंजा इसके लिए उपयुक्त है। इसके अतिरिक्त किंजा कई अन्य प्रकार के विवरणों जैसे कि कंपनी साइज, जॉब सिक्योरिटी, चैलेंज लेवल आदि को भी खासतौर पर दर्शाती है।

ब्रेजन करियरिस्ट फेसबुक एप

आपके फेसबुक प्रोफाइल और लिंक्ड इन से एक्सेस के लिए स्वीकृति मिलने के बाद यह फेसबुक एप्प आपका विजुअल रेज्यूमे तैयार कर देती है और आपको एक विशिष्ट यूआरएल प्रदान करती है। इस एप्प से तैयार किया गया रेज्यूमे यूजर का कार्य अनुभव, नेटवर्क, अनुशंसा, करियर टाइमलाइन आदि को विशेष रूप से दिखाता है।

रेज्यूमेएप

रेज्यूमेअप इंफोग्राफिक, रेज्यूमे तैयार करने के लिए एक अन्य शानदार सर्विस है। यह साइट आपके फेसबुक या लिंक्ड इन अकाउंट के साथ जुड़ कर उनसे जरूरी डेटा लेती है और आपका कंटेंट से भरपूर और आकर्षक दिखाई देने वाला रेज्यूमे तैयार कर देती है। आप अपने रेज्यूमे को पीडीएफ में भी बदल सकते हैं।

अपने या दोस्तों के चेहरे को बना पाएंगे पासवर्ड

जल्द ही आपको पासवर्ड के लिए भारी भरकम टेक्स्ट डालने या याद करने की परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। आप अपने दोस्त या परिचितों के चेहरे का इस्तेमाल कर पाएंगे। यह उनके लिए खुशी की सौगात होगी, जो अक्सर पासवर्ड भूल जाया करते हैं। दशकों तक चले साइकॉलजिकल रिसर्च में यह पाया गया कि कितनी भी तस्वीरों के बीच लोग अपने परिचित का चेहरा पहचान ही लेते हैं चाहे वह कितनी भी खराब क्वॉलिटी की क्यों न हो। इसके विपरीत देखें तो अनजान चेहरों को अनजान लोगों के लिए पहचान पाना उतना ही कठिन भी है। इससे पासवर्ड हैक या फ्रॉड जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा।

'फेसलॉक' नाम के इस नए सिस्टम में इसी मनोवैज्ञानिक प्रभाव का इस्तेमाल किया गया है। डीटेल्स पीरजे के अनुसार कई अलग चेहरों में से अपने पहचान के कुछ खास चेहरों के सेट का इस्तेमाल आप अपने 'लॉक' के लिए कर सकते हैं। एक्सेस वही कर पाएंगे, जो दिए गए चेहरों में अपने पासवर्ड स्वरूप उस चेहरे को पहचान पाएंगे। इस सिस्टम को रजिस्टर करने के लिए यूजर उन चेहरों को नॉमिनेट करेगा, जिन्हें वह अच्छी तरह से जानता हो।

शर्मीले लोग 'फेसबुक' का करते हैं ज्यादा इस्तेमाल!

शर्मीले और अंतर्मुखी लोग सोशल नेटर्विकंग साइट फेसबुक पर औरों के मुकाबले समय तो अधिक बिताते हैं, लेकिन इस दौरान वे अपने मित्रों और परिचितों को अपने बारे में खुलकर नहीं बताते। हालिया अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। अल्बानिया विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर पाविका सेलडन ने कहा कि अंतर्मुखी या शर्मीले लोग फेसबुक का इस्तेमाल देर तक करते हैं। हालांकि, इस दौरान वे अपनी तस्वीरें अपलोड करने या मित्रों के वॉल पर पोस्ट करने में कम समय देते हैं। अध्ययन के मुताबिक, बहिर्मुखी लोग वीडियो और तस्वीरें पोस्ट कर और नियमित तौर पर स्टेटस अपडेट्स की सहायता से मित्रों और परिजनों से ज्यादा मजबूती से जुड़ने का लाभ उठाते हैं। अध्ययन के मुताबिक, इंटरनेट से इतर संबंधों में सक्रिय रहने वाले लोग भी फेसबुक का इस्तेमाल कर लाभ उठा सकते हैं।

आप धीमी डाउनलोड गति से परेशान हैं ?

भारत में ज्यादातर लोगों के पास धीमी गति का इन्टरनेट कनेक्शन ही है जिससे वेब ब्राउजिंग में तो खास दिक्कत नही आती लेकिन जब कुछ डाउनलोड करना हो तो कछुआ चाल इन्टरनेट से बड़ी झल्लाहट होती है । जब भी कोई बड़ी फाइल डाउनलोड करनी हो बहुत देर लगती है और जो थोड़ी बहुत डाउनलोड होती है वह भी कई बार बिजली विभाग की मेहरबानी से बेकार जाती है यदि लंबा बिजली कट लग गया तो जितना डाउनलोड हुआ है उसे दुबारा करना पड़ता है,अतः इस समस्या से निजात पाने का एक ही हल है, वो है डाउनलोड मैनेजर सोफ्टवेयर अपने कंप्युटर में इंस्टाल कर लेना। इससे आप एक बार किसी फाइल को डाउनलोड करना शुरू कर देते हैं तो ये डाउनलोड मैनेजर अपने आप सक्रिय होकर डाउनलोड शुरू कर देता है और बीच में कंप्यूटर बंद हो जाए उस स्थिति में ये जितनी साइज डाउनलोड की है वह सेव कर लेता है दुबारा जब भी कंप्युटर ऑन करते हैं इस डाउनलोड मैनेजर को खोल कर डाउनलोड चालू कर दें ये उसके बाद का डाउनलोड शुरू कर देगा और इस तरह यह सोफ्टवेयर कितनी भी बड़ी फाइल हो उसे किश्तों में डाउनलोड कर लेता है । यदि किसी के पास 64 के बी पी एस स्पीड का ब्रॉडबैंड कनेक्शन है जिसमे डाउनलोड करने के लिए 8 से 10 के बी पी एस की स्पीड मिलती है ऐसे में यदि 700 एमबी की फाइल भी डाउनलोड करनी पड़े तो कोई टेंशन नही होगा, यह गिगागेट डाउनलोड मैनेजर अपने आप किश्तों में सही डाउनलोड कर ही लेता है। इंटरनेट पर ढेर सारे डाउनलोड मैनेजर फ्री में उपलब्ध है बस डाउनलोड कीजिये और इंस्टाल कर धीमी डाउनलोड स्पीड की चिंता से मुक्ति पा लीजिये।

बैटरी बैकअप बढ़ाने के जरूरी टिप्स

आज स्मार्टफोन कंपनियां भले ही एक से बढ़कर एक तकनीक वाला स्मार्टफोन लॉन्च कर चुकी है, लेकिन बैटरी के मामले में अभी ज्यादा कुछ सुधार नहीं हुआ है। स्मार्टफोन चाहे सस्ता हो या महंगा, उनमें बैटरी बैकअप की समस्या का अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ है ? बार-बार स्मार्टफोन की बैटरी खत्म हो जाना एक बड़ी समस्या बन चुका है। लेकिन हम आपको बता रहे हैं चार आसान उपाय जिन्हें अपनाकर आप अपने स्मार्टफोन का बैटरी बैकअप बढा सकते हैं। तो जानिए..

इस कारण होती है बैटरी जल्दी खत्म

स्मार्टफोन में बैकग्राउंड में एप्लीकेशंस का चलना, डिस्पले स्क्रीन ज्यादा ब्राइटनेस रखना, तथा जीपीएस ऑन रखने से फोन की बैटरी जल्दी खत्म होती है।

लोकेशन सेटिंग रखे ऑफ

ध्यान रखें कि गूगल सर्च जैसे कई सारे एप अच्छा प्रदर्शन दर्शाने के लिए लोकेशन यूज करने की परमिशन मांगते है। स्मार्टफोन लोकेशन सर्च करने के लिए बैटरी यूज करता है? आप इसकी लोकेशन सेटिंग ऑफ करके बैटरी बचा सकते हैं।

डिस्पले स्क्रीन ब्राइटनेस कम रखें

बता दें कि स्मार्टफोन की डिस्पले स्क्रीन सबसे ज्यादा बैटरी खर्च करती है। खास कर रात में डिस्प्ले स्क्रीन की ब्राइटनेस कम रखें। इसके अलावा जब आप बाहर जा रहे हो तो ब्राइटनेस को काम रखें, इससे फोन की बैटरी लाइफ बढेग़ी।

बैटरी डेटा पर रखें नजर

फोन की बैटरी कहां कितनी खर्च हो रही है इसकी जानकारी आप फोन की सेटिंग में जाकर कर सकते हैं। इस पर नजर रखें कि कौन सा एप कितनी बैटरी खर्च कर रहा है। जो एप काम में नहीं आ रहा हो उसें ज्यादा बैटरी खर्च कर रहा हो उसें बंद करके रखें।

ऐसे बनी यूएसबी !

दुनिया में इस समय 10 बिलियन से भी ज्यादा यूएसबी (यूनिवर्सल सीरियल बस) काम में ली जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसकी खोज एक भारतीय ने की थी। जी हां, अजय भट्ट वो कंप्यूटर इंजिनीयर है जिन्होंने इस क्रांतिकारी डिवाइस को बनाया था। इसके बाद यह डिवाइस गैजेट्स यूज करने वाले के हर शख्स के लिए एक अनिवार्य डिवाइस बन गई।

▸▸ इस तरह आया आइडिया

इंटेल में काम करते हुए आज से 25 साल पहले अजय एक दिन जब कंप्यूटर में मल्टीमीडिया कार्ड लगा रहे थे, तभी उनके दिमाग में कंप्यूटर में बाहर की तरफ से कनेक्ट होने वाली डिवाइस बनाने का आइडिया आया। हालांकि उस समय खुद अजय को भी इस बात का विश्वास नहीं था उनका यह विचार सिलिकॉन चिप के बाद सबसे बड़ा तकनीकी खोज होगी।

▸▸ 1990 में आई पहली यूएसबी

आइडिया आने के बाद इंटेल में रहते हुए ही अजय ने यूएसबी बनाने के लिए तेज दिमाग वाले इंजिनीयर्स की एक टीम बनाई और काम शुरू कर दिया। 6 सालों की कड़ी मेहनत करके उन्होंने यूएसबी बना दी। इसके बाद 1990 के दशक में दुनिया की पहली यूएसबी बाजार में आई जिसने एक क्रांतिकारी डिवाइस का रूप ले लिया।

▸▸ 25 साल बाद 400 गुना तेज

गौरतलब है कि पहली बार मार्केट में आई यूएसबी के बाद अब यूएसबी 3.0 तक आ चुकी है उससें 400 गुणा तक ज्यादा तेज है। इसके बाद अब जो यूएसबी आ रही है वो उससें भी 816 गुणा ज्यादा तेज होगी।

▸▸ गुजरात के हैं अजय भट्ट

आपको बता दें कि यूएसबी जैसी क्रांतिकारी डिवाइस बनाने वाले अजय भट्ट गुजरात के हैं। उन्होंने महाराजा सायोजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा से ग्रेजुएट हैं। इसके बाद यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क से मास्टर की डिग्री हासिल की। वतर्मन में भट्ट इंटेल कंपनी में चीफ क्लाइंट प्लेफॉर्म आर्किटेक्ट के पद पर कार्यरत हैं।

जिंदगी बदल देंगे ये एप्स

▸▸ आपकी सेहत का निगाहबान है ये एप !

क्या आप जानना चाहते हैं कि आपकी जिंदगी के दिन कब पूरे हो रहे हैं, तो यह एप खास आपके लिए है। इन दिनों एक नया एप आया है, जिसका नाम 'डेडलाइन' है। यह एप आपके आईफोन के हेल्थकिट टूल का विश्लेषण कर यह पता लगाने में सक्षम है कि आप कितने दिन जिंदा रहेंगे।

आइफोन का हेल्थकिट टूल आपके कद, डायस्टोलिक रक्तचाप, आपकी नींद और पूरे दिन की आपकी शारीरिक गतिविधि का रिकॉर्ड रखता है। बस्टल के अनुसार, डेडलाइन एप इसी रिकॉर्ड डाटा का उपयोग कर और आपकी जीवनशैली से संबंधित कुछ सवालों के आधार पर आपकी मृत्यु का दिन और समय निर्धारित करता है। इस एप के निर्माता गिस्ट एलएलसी ने एप्पल आईट्यून पेज पर लिखा कि कोई भी एप आपकी मृत्यु के दिन व समय के बारे में बिल्कुल सटीक जानकारी नहीं दे सकता। वास्तव में ये एप आपकी जीवनशैली और स्वास्थ्य की निगरानी करता है और आपको बेहतर जीवनशैली और स्वास्थ्य सुधार के लिए प्रेरित करता है और जरूरी हो तो चिकित्सक से मिलने की सलाह देता है। उन्होंने कहा कि आप अपने दैनिक आहार, खान पान और नियमित व्यायाम के माध्यम से अपना अनुमानित दिन और समय आगे बढा सकते हैं।

▸▸ गर्भावस्था के दौरान रखेगा ख्याल

यदि आप गर्भवती हैं और घर बैठे अपने होने वाले बच्चे की देखभाल के नुस्खे जानना चाहती हैं, तो यह मोबाइल एप खास आपके लिए बना है, जिसका नाम ग्लो नेचर है। यूक्रेन मूल के कंप्यूटर वैज्ञानिक और पेपाल के संस्थापक मैक्स लेवचिन ने यह एप विकसित किया है और यह गर्भवती महिलाओं की मदद के लिए बनाया गया है, जिससे उन्हें गर्भ में पल रहे शिशु और उनकी खुद की देखभाल करने में आसानी होगी।

जहां ये एप महिलाओं को गर्भस्थ शिशु की सही देखभाल की आवश्यक जानकारियां देता है। वहीं ये एप मोबाइल के माध्यम से माता-पिता बनने वाले जोड़ों को अपने अनुभव दूसरों के साथ साझा करने का भी मंच प्रदान करता है। ग्लो नेचर की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार ग्लो नेचर बेहद खूबसूरती से तैयार किया गया एक मोबाइल एप है, जो आपको गर्भावस्था के दौरान प्रशिक्षित करता है। एक बार ग्लो नेचर एप्प से जुड़ने के बाद इसकी उपभोक्ता महिला अपनी हर दिन की गतिविधियां, बदलावों, लक्षणों और अनुभवों को रिकॉर्ड कर सकती है, जिसके आधार पर जरूरत पड़ने पर यह एप्प गर्भवती महिला को डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह भी देता है।

▸▸ आपका दिमाग पढ़ लेगा ये एप!

अब आपका स्मार्ट फोन आपको बता सकेगा कि आप तनाव या अवसाद में हैं। शोधकर्ताओं ने एक ऐसा एप्लीकेशन तैयार किया हैं जो उपयोगकर्ता के मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षिक प्रदर्शन और व्यवहार के बारे में बताता है। छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन, उनकी खुशी, तनाव, अवसाद और अकेलेपन के बारे में जानकारी देने वाला 'स्टूडेंटलाइफ एप' नामक इस एप्लीकेशन का प्रयोग सामान्य लोग भी मानसिक स्वास्थ्य की निगरानी करने, कार्यालय में कर्मचारियों की उत्पादकता में सुधार करने के लिए कर सकते हैं।

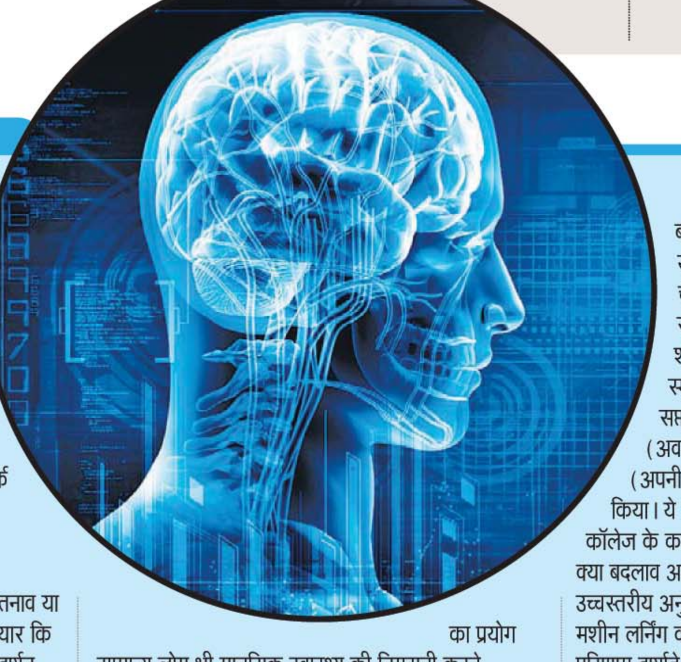

अमेरिका के डर्टमाउथ कॉलेज के प्रोफेसर एंड्र कैंपबेल ने बताया कि यह बहुत महत्वपूर्ण और रोमांचक खोज है। कैंपबेल ने बताया कि स्टूडेंटलाइफ एप चौबीसों घंटे और सातों दिन लगातार मानसिक स्वास्थ्य आकलन करने में सक्षम है। शोधकर्ताओं ने यह एंड्रॉयड एप 48 छात्रों के स्मार्टफोन के सेंसर की रीडिंग के माध्यम से 10 सप्ताह की अवधि में इन छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य (अवसाद, तनाव, अकेलापन), शैक्षिक प्रदर्शन (अपनी कक्षाओं में श्रेणी) और व्यवहार का आंकलन किया। ये एप बता सकता है किस तरह तनाव, नींद और कॉलेज के काम, मध्यावधि और अंतिम परीक्षाओं के दौरान क्या बदलाव आता है। सेंसर के आंकड़ों के आंकलन और उच्चस्तरीय अनुमान के लिए फोन में कंप्यूटेशनल पद्धति और मशीन लर्निंग कलन विधि (अल्गोर्थम) का प्रयोग किया गया। परिणाम दर्शाते हैं कि एंड्रॉयड फोन के निष्क्रिय और ऑटोमेटिक सेंसर के आंकड़े निर्धारित अवधि में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके शैक्षिक प्रदर्शन से संबद्ध थे। हलांकि स्मार्टफोन एप गोपनीयता की चिंताएं बढाता है।

500 से ज्यादा कॉलोनियों में प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाया, कांग्रेस ने किया विरोध

इंदौर। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद नगर निगम ने इंदौर के पांच सौ कॉलोनियों में प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ा दिया गया है। इस प्रस्ताव को आठ माह पहले बजट सम्मेलन में दी गई थी, लेकिन उसे लागू अब किया गया। कांग्रेस ने नगर निगम के इस फैसले का विरोध शुरू कर दिया है। शाम को नगर निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन भी किया जाएगा।

इंदौर में इलाकों को अलग-अलग रेड जोन में रखा गया है और उसके हिसाब से प्रॉपर्टी टैक्स नगर निगम वसूलता है। एक से लेकर पांच तक अलग-अलग जोनों में शहर की 2210 कॉलोनियों को रखा गया है। एक नंबर रेट जोन में शहर के पॉश इलाके शामिल है, जबकि रेड जोन पांच में शहर की बस्तियां, पुराने मोहल्ले और निम्न वर्ग के लिए बनी कॉलोनियां शामिल है।

नगर निगम ने इंदौर में 531 कॉलोनियों के रेट जोन बदले है। इनमें सुदामा नगर, सुखदेव नगर, आशीष नगर, एरोड्रम क्षेत्र, निपानिया क्षेत्र, लसुड़िया क्षेत्र, अन्नपूर्णा, उषा नगर, श्रमिक क्षेत्र सहित अन्य इलाके शामिल है। पहले यह इलाके रेट जोन पांच या चार में थे। यहां के संपत्तिधारियों से 16 और 18 रुपये प्रतिवर्ग फीट के हिसाब से टैक्स वसूला जाता था, लेकिन अब उन्हें दो या तीन नंबर के रेट जोन में शामिल किया गया है। जहां 26 और 21 रुपये प्रति वर्गफीट के हिसाब से टैक्स का पैमाना तय होता है। शहर में कई अवैध कॉलोनियां है। जिनसे नगर निगम प्रॉपर्टी टैक्स नहीं वसूलता।

बायपास की कॉलोनियां सबसे ज्यादा प्रभावित

बायपास के मायाखेड़ी, बिचौली मर्दाना, पिपलियाकुमार जैसे इलाके पहले ग्रामीण क्षेत्रों में शामिल थे। बीते 15 सालों में सबसे ज्यादा टाउनशिप इन क्षेत्रों में विकसित हुई है। पहले नगर निगम इन क्षेत्रों को कम रेट जोन में रखता था, लेकिन अब टाउनशिपों के आधार पर अलग-अलग रेट जोन में उन्हें रखा गया है। सबसे ज्यादा रेट जोन में बदलाव इस क्षेत्र में हुआ है।

नगर निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि बजट में मेयर ने नया टैक्स नहीं बढ़ाने की घोषणा की थी, तो फिर यह फैसला कैसे ले लिया। लोकसभा चुनाव समाप्त होने के बाद इसे लागू कर भाजपा ने बता दिया कि वह जनता से वादाखिलाफी भी कर सकती है।

साईं बाबा मंदिर की तर्ज पर बनेगा मिनी साईं मंदिर का गोल्ड प्लेटेड सिंहासन

भक्तों का बनेगा आकर्षण

सीहोर। चाणक्यपुरी कॉलोनी में स्थित मिनी शिर्डी धाम सालभर भक्तों के आकर्षण का केन्द्र रहता है। यहां स्थानीय लोगों के अलावा दूर-दूर से भक्त दर्शनों के लिए आते हैं। भक्तों का कहना है कि यहां साईं बाबा की प्रतिमा में इतनी तेजी है कि एक झलक पाते ही भक्तों की मनोकामनाएं पूरी हो जाती है।

इसके कारण यहां भोपाल, इंदौर सहित प्रदेश के अलावा देशभर के भक्त दर्शनों के लिए आते हैं। मिनी शिर्डी धाम मंदिर समिति के अध्यक्ष बसंत दासवानी, अजय तिवारी, संजय जोशी ने बताया कि मंदिर को भव्यता प्रदान करने के लिए समिति ने साईं बाबा का सिहांसन शिर्डी के साईं बाबा के मंदिर की तर्ज पर सौंदर्यीकरण कराने का निर्णय लिया है। इसी के तहत मिनी साईं बाबा के सिंहासन का कार्य महांकाल मंदिर उज्जैन सहित अनेक मंदिरों में सिल्वर और गोल्ड की नक्कासी और सौंदर्यीकरण का काम करने वाली बाबा श्री कंपनी इंदौर को दिया गया है। सिंहासन का कार्य इसी सप्ताह से शुरू होने जा रहा है। मिनी शिर्डी धाम मंदिर समिति के अध्यक्ष बसंत दासवानी के अथक प्रयासों से साईं बाबा मंदिर का सिंहासन का वर्क यहां की खूबसूरती में चार चांद लगा देगा। बाबाश्री कंपनी के ऑनर महेश शर्मा, दिपिन शर्मा ने बताया कि मिनी शिर्डी धाम सिंहासन के सौंदर्यीकरण का कार्य गोल्ड प्लेटेड (पीतल पर स्वर्ण की पॉलिश) से किया जाएगा। सिंहासन के कार्य हुबुहू शिर्डी के साईं बाबा मंदिर की तर्ज होगा। सिंहासन के कार्य में करीब 90 किलो पीतल का उपयोग होगा।

जमीन विवाद ने लिया खूनी रूप, दो पक्षों में जमकर चले हथियार

दमोह। दमोह जिले में नोहटा थाना क्षेत्र के परस्वाहा गांव में सोमवार दोपहर जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों ही पक्षों के लोगों ने एक दूसरे पर कुल्हाड़ियां और लाठियों से हमला कर एक दूसरे को घायल कर दिया। गंभीर हालत में घायलों को अस्पताल लाया गया और पुलिस ने दोनों पक्षों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक पक्ष में घायल माता-पिता और पुत्र को इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल लाया गया तो दूसरे पक्ष के घायल का इलाज नोहटा स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। जानकारी मिलते ही बनवार चौकी प्रभारी मनीष यादव जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों से जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, एक पक्ष में घायल हल्की बहू 35 पति शिवशंकर 40 और बेटे अर्जुन यादव 23 निवासी परस्वाहा ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर श्याम सुंदर यादव के परिवार के लोगों ने उन पर लाठी और कुल्हाड़ी से हमला किया है। घायल हो जाने पर उन्हें इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल में लाया गया है। वहीं, नोहटा अस्पताल में इलाजरत श्याम सुंदर और हरिशंकर यादव ने बताया कि शिवशंकर यादव के परिवार ने उन पर हमला किया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों पर मामला दर्ज कर जांच में लिया।

मछली ठेकेदार के लोगों ने दो युवकों के साथ की मारपीट

मंदसौर। मछली ठेकेदार के लोगों ने नदी के बीच नाव में बिठाकर दो लोगों के साथ मछली का अवैध शिकार करने की बात को लेकर मारपीट की और मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया अकाउंट पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित युवक थाने पहुंचे और मछली ठेकेदार के तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

मंदसौर जिले में इन दिनों मछली ठेकेदार के लोगों की गुंडागर्दी पर अंकुश लगाना मानो पुलिस के बस के बाहर होता जा रहा है। ठेकेदार के गुर्गे एक के बाद एक वारदात को अंजाम दे रहे हैं और पुलिस शिकायत के बाद केवल सामान्य धराओं में केस दर्ज कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। कई मामलों में तो फरियादी कई दिनों तक थाने के चक्कर लगाता रहता है फिर मुकदमा दर्ज किया जाता है। अब संजीत में मछली ठेकेदार के गुर्गों ने गांव के ही दो युवकों के साथ मारपीट की और अपना खौफ कायम करने के लिए मारपीट का वीडियो बनाकर बकायदा अपने सोशल मीडिया में भी वायरल किया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने पीड़ित युवकों की शिकायत पर आरोपी मछली ठेकेदार के गुर्गो के खिलाफ केस दर्ज किया है। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि संजीत मगरा निवासी वसीम पिता याकूब खा मेवाती और फैजान पिता इदरीश मेवाती 16 मई को रेतम नदी में मछली पकड़ने गए थे। इसी दौरान मछली ठेकेदार के चचौर आंत्री सेंटर के कर्मचारी राहुल उर्फ पुत्रू, ललित व एसडी शर्मा आए और अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप लगाने लगे।

@RAJ_PUTPARDEEP

इसके बाद मारपीट की और वीडियो भी बनाया। पुलिस ने वसीम मेवाती की शिकायत पर मछली ठेकेदार के तीन लोगों के खिलाफ मारपीट का प्रकरण दर्ज किया है। ये कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी लायसेंसी मछुआरों के साथ मछली ठेकेदार के गुर्गो ने ऐसे ही घेरकर पकड़ा और मारपीट की थी। वहीं दो पहिया वाहन फोड़ दिया था। पुलिस थाने पीड़ित शिकायत करने पहुंचे। पुलिस ने आवेदन ले लिया। मामला जब मीडिया की सुर्खियां बना तो पुलिस हरकत में आई और केस दर्ज किया था।

चोरों ने हनुमान जी को भी नहीं बख्शा, जिस साउंड सिस्टम से हनुमान चालीसा पढ़ी जाती थी वही ले गए

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में चोर मंदिर को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। ऐसे एक दो नहीं बल्कि पूर्व में कई मामले सामने आ चुके हैं। ताजा मामला राजगढ़ जिला मुख्यालय में स्थित एसी वाले हनुमान मंदिर से सामने आया है। यहां से अज्ञात चोर मंदिर में सीसीटीवी की डीवीआर और साउंड सिस्टम सहित अन्य उपकरण चुराकर ले गए, जिसकी शिकायत समिति के सदस्यों ने कोतवाली थाने में दर्ज कराई है।

जानकारी के मुताबिक यह पूरा घटनाक्रम शनिवार-रविवार की दरमियानी रात का है। जब चोरों ने मंदिर को अपना निशाना बनाया, जिसमें अज्ञात चोर मंदिर में लगी डीवीआर, साउंड मशीन, 6 माइक व अन्य उपकरण चुराकर ले गए। इनके विरुद्ध कोतवाली थाने में धारा 380 आईपीसी में तहत प्रकरण दर्ज किया गया है वा पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

मंदिर समिति के सदस्य सुनील जोशी का कहना है कि शनिवार शाम तक तो मंदिर में सभी उपकरण मौजूद थे, लेकिन सुबह नगरपालिका के एक कर्मचारी द्वारा मंदिर समिति को चोरी की सूचना दी गई थी। चोर मंदिर में रखे साउंड सिस्टम और सीसीटीवी कैमरे के लिए लगी डीवीआर चुराकर ले गए।

इसकी अनुमानित कीमत दो लाख रूपये के लगभग है। हमने शिकायत की है और पुलिस अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुटी है। गौरतलब है कि राजगढ़ जिले में मंदिर से सामान चोरी होने का यह कोई पहला मामला नहीं है, बल्कि इसके पूर्व में भी कई मामले सामने आ चुके हैं। इसमें चोर कभी मंदिर में रखी दान पेटी पर हाथ साफ करते हैं तो कभी प्राचीन मूर्तियां उठा ले जाते हैं, वही इस मामले में मंदिर से साउंड सिस्टम ,माइक वा अन्य उपकरण चुराए गए हैं।

तेज रफ्तार पिकअप ने ली बुजुर्ग की जान पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

उमरिया। उमरिया जिले में हादसे कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल लाइन चौकी के एनएच 43 में भरौला के पास अनियंत्रित पिकअप ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। घटना में साइकिल सवार वृद्ध की मौत हो गई। जानकारी लगते ही सिविल लाइन चौकी पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई।

भरौला गांव के पास एनएच 43 में वृद्ध प्रताप सिंह बघेल पिता सहदेव सिंह अपने साइकिल से वापस गांव की तरफ आ रहे थे, तभी अनियंत्रित पिकअप ने प्रताप सिंह को टक्कर मार दी। प्रताप सिंह की मौके पर मौत हो गई। जानकारी मिलते ही सिविल लाइन चौकी पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरु की। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा।

आवारा सांड के हमले में अधेड़ की मौत, खाना खाकर सड़क पर टहलना पड़ा भारी

शहडोल। रात में खाना खाकर परिवार के साथ शरीफ कुरैशी घर के बाहर सड़क पर टहल रहे थे, तभी आवारा सांड ने उन पर हमला बोल दिया और बुरी तरीके से जख्मी कर दिया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

शहडोल जिले में आवारा मवेशियों की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अब यह मवेशी लोगों की जान तक ले रहे हैं। रात में खाना खाकर परिवार के साथ टहल रहे एक शख्स की सांड के हमले में मौत हो गई है।

जानकारी के अनुसार शरीफ कुरैशी घर के बाहर सड़क पर टहल रहे थे, तभी आवारा सांड ने उन पर हमला बोल दिया और बुरी तरीके से जख्मी कर दिया।

घटना देख आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें गंभीर अवस्था में लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां उसकी हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने छत्तीसगढ़ के रायपुर उसे रेफर कर दिया। रास्ते में ही कुरैशी की मौत हो गई है।

मौत के बाद स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश देखने को मिला है और नगर पालिका के खिलाफ लोग लामबंद होते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार आवारा मवेशियों की शिकायत नगर पालिका धनपुरी में जाकर की जा चुकी है, लेकिन इन पर लगाम नहीं लगाई गई और इन्हें हंका लगाकर कांजी हाउस नहीं ले जाया गया। इसकी वजह से युवक की जान चली गई है।

थाना प्रभारी ने बताया है कि धनपुरी थाना क्षेत्र के कच्छी मोहल्ला के रहने वाले शरीफ कुरैशी बीती रात खाना खाकर अपने परिवार के लोगों के साथ घर के बाहर सड़क पर वॉक कर रहे थे, तभी यह घटना घटी है। रायपुर ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई है। मामले पर मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

चलती ट्रेन के नीचे आने वाला था यात्री, आरपीएफ के मुस्तैद जवान ने दौड़कर बचा ली जान

कटनी। कटनी आरपीएफ के जाबाज जवान ने ट्रेन के नीचे जाते एक रेल यात्री को दौड़कर खींचते हुए उसकी जान बचाई है। पूरा मामला कटनी जिले का बताया गया जहां कटनी मुड़वारा स्टेशन से जबलपुर की ओर जा रहे स्पेशल ट्रेन क्रमांक 11450 में चढ़ते वक्त रंगनाथ थाना क्षेत्र के भट्टा मोहल्ला निवासी नारायण प्रसाद पटेल का पैर पायदान में रखते हुए फिसल गया, तभी ऑनड्यूटी आरपीएफ के जाबाज सहायक उपनिरीक्षक की नजर उन पर पड़ गई और उन्होंने तत्काल दौड़कर रेल यात्री का हाथ पकड़कर प्लेटफॉर्म की ओर खींच लिया।

हालांकि समय रहते ट्रेन में सवार अन्य यात्रियों ने चेन भी खींच दी थी, जिसके बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मुड़वारा आरपीएफ प्रभारी सौरभ माहोर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया की मुड़वारा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 पर चलती हुई ट्रेन क्रमांक 11450 पर चढ़ते वक्त पैर लड़खड़ा गया और वह सीधे प्लेटफॉर्म और रेलगाड़ी के बीच जा घुसे वो तो गनीमत रही कि ड्यूटी में तैनात आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक ज्ञानेद्र गौतम की नजर उन पर पड़ गई।

उन्होंने मुस्तैदी से दौड़कर 42 वर्षीय नारायण प्रसाद पटेल की हाथ खींच लिया और तत्काल वॉकी-टॉकी से ट्रेन के गार्ड से संपर्क करते हुए मामले से अवगत करवाया। हालांकि इसी दौरान अन्य यात्रियों ने भी चैन पुलिंग कर दिया था, जिसके बाद ट्रेन रुकी और घायल को बाहर निकाला गया है।

डॉक्टर की पत्नी ने फांसी लगाकर दी जान

सागर। गौरझामर पीएससी में पदस्थ सीएचओ डॉ नीलेश लोधी की पत्नी ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना सोमवार सुबह करीब 10 बजे के आसपास की है। नीलेश लोधी मंदिर में पूजा करने गए थे और लौटकर घर आये तो देखा कि पत्नी चंदा ने किचन में दुपट्टे से फांसी लगाकर जान दे दी।

घटना सोमवार सुबह करीब 10 बजे के आसपास की है। जानकारी के अनुसार जब डॉक्टर नीलेश लोधी मंदिर में पूजा करने गए थे और लौट कर घर आये तो उन्होंने देखा उनकी 22 वर्षीय पत्नी चंदा लोधी ने किचन में दुपट्टे से फांसी लगाकर जान दे दी। उनके करीब 1 साल की छोटी बच्ची भी है। मृतका चंदा को तुरंत फांसी के फंदे से उतरकर डॉक्टर और उनके परिजन देवरी के समुदाय स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पत्नी ने आत्महत्या क्यों कि इसके करणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मृतका के शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है, मामले में मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

घपले को दबाने लगा दी थी कलेक्टर कार्यालय में आग, तीन आरोपी पकड़े

शिवपुरी। शिवपुरी पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि शिवपुरी कलेक्टर कार्यालय में आग लगाने के मामले में 18 मई को कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया गया था। इस मामले की पड़ताल के दौरान जब कलेक्टर कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो दो लोग कलेक्टर कार्यालय में आग लगाते हुए देखे गए। इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद 30 सदस्यीय पुलिस टीम बनाई गई। अज्ञात आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया और जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रकरण में अभी आरोपियों से पूछता जारी है। तीनों आरोपियों ने पुलिस जांच के दौरान उक्त अपराध करना व घटना करना स्वीकार किया है। शासन की राशि का घपला करने के मामले में रिकवरी के प्रयास में पुलिस जुट गई है। इनके अन्य साथियों को लेकर भी पूछताछ की जा रही है। एसपी ने बताया है कि उक्त प्रकरण में विवेचना और अन्य साक्ष्यों को एकत्रित करने का काम किया जा रहा है। जिसमें भू-अर्जन शाखा से संबंधित दस्तावेजों का मिलान सहित अन्य लोगों की इसमें क्या भूमिका है। इसको लेकर जांच की जा रही है।

दो एफआईआर के बाद पुलिस ने पकड़े आरोपी

पुलिस ने इस मामले में दो एफआईआर दर्ज की थीं। पहली एफआईआर कलेक्टर कार्यालय की शाखा में आग लगाने की और दूसरी एफआईआर भू-अर्जन शाखा में घपले की, जिसमें कलेक्टर कार्यालय के अधीक्षक ललित कुमार शर्मा की लिखित शिकायत पर पुलिस ने राकेश कुमार ढोढी तत्कालीन आहरण एवं संवितरण अधिकारी शिवपुरी, दीपक खटीक सहायक ग्रेड- 3 भू अभिलेख शाखा शिवपुरी, रूप सिंह परिहार जल संसाधन विभाग के अलावा रचना, राजपाल, गोमती व सुखवती के खिलाफ कोतवाली थाना पुलिस ने धारा 409, 420, 467, 468, 471, 120बी के तहत अपराध दर्ज किया गया था।

फर्जीवाड़ा दबाने लगाई आग

जांच के दौरान जब सीसीटीवी फुटेज देखे गए तो कलेक्टर कार्यालय के मौजूद स्टाफ के द्वारा जो संदिग्ध के फोटो देखे गए हैं, उसमें रूप सिंह परिहार और राहुल परिहार होना जैसे व्यक्ति बताया गया। इन फुटेज और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग के आधार पर जब और पड़ताल की गई तो सामने आया कि पिछोर में लोउर नदी परियोजना अंतर्गत भू-अर्जन मामले में भू-अर्जन शाखा लोअर नदी परियोजना के अंतर्गत प्राइवेट कंपनी मेंटेना में काफी समय से काम कर रहे ऑपरेटर राहुल सिंह परिहार ने शाखा में फर्जीवाड़ा कर बिल लगाकर 6 लाख के भुगतान की जगह पर 26 लाख के फर्जी बिल लगाकर भुगतान हासिल किया। जिसपर पुलिस ने एक अलग से एफआईआर दर्ज की। इस एफआईआर के बाद जब आरोपियों की तलाश की गई तो पुलिस ने एक कड़ी से दूसरी कड़ी मिलाते हुए भू-अर्जन शाखा में घपला करने और कलेक्टर कार्यालय में उक्त फाइलों के जलाने के मामले में तीन आरोपियों को पकड़ा है।

पुलिस ने अपनी जांच के दौरान बताया है कि पिछोर के न्यू कोर्ट रोड निवासी युवक रूप सिंह परिहार जो एक प्राइवेट मेंटेना कंपनी में भू-अर्जन शाखा का काम देखता था। उसके द्वारा बीते दिनों यहां पर भू-अर्जन शाखा में 6 लाख के बिल की जगह 26 लाख का भुगतान कराकर 20 लाख रुपए का घपला किया गया था, जिसमें इन फाइलों को जलाने के लिए इसने षड्यंत्र रचा और दो लोगों को अपने साथ शामिल किया। इसके बाद कलेक्टर कार्यालय में जिस शाखा में यह फाइनलें रखी थीं, वहां पर पेट्रोल की बोतल ले जाकर यहां पर आग लगाई गई, इसके बाद यह भाग गए।

तेज आई आंधी राख की आंधी में बदली

जेपी पावर प्लांट से उड़ी राखड़ ग्रामीणों के घरों में भरी

जेपी बीना थर्मल पावर प्लांट
JAYPEE GROUP
JAYPEE GROUP

सागर। भीषण गर्मी के इस दौर में लगभग प्रत्येक दिन शाम होते-होते तेज हवा का दौर शुरू होता है। इस दौरान तेज हवा आंधी का रूप ले लेती है। आज शाम चली तेज आंधी की वजह से कई गांव के लोग परेशान हो गए। आंधी इतनी तेज थी कि जेपी पावर प्लांट में स्टोर कर रखी राखड़ हवा में उड़ गई और घरों में भर गई। जानकारी अनुसार जेपी पावर प्लांट में बड़ी मात्रा में राखड़ का स्टॉक है और शाम के समय तेज आंधी की वजह से राख हवा में उड़ने लगी, जिसकी वजह से आसमान में धुंध छा गई। ग्राम जोध गिरोल तथा सिरचोंपी सहित कई गांव राखड़ की चपेट में आ गए और राख घरों में भर जाने से लोग परेशान नजर आए।

बड़ी मात्रा में घरों में राख भर जाने से खाने पीने के समान में भी राख चली गई। लोग घरों में राख साफ करते नजर आए। इधर, ग्रामीणों का कहना है कि आंधी की वजह से प्लांट की राख अक्सर घरों में घुस जाती है, जिसको लेकर कई बार प्रशासन से शिकायत की जा चुकी है, उसके बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया।

अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों को करें शीघ्र निराकृत

रायसेन। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा समय सीमा वाले विभागीय पत्रों तथा गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री दुबे ने संबंधित अधिकारियों से लोकसभा आम निर्वाचन की मतगणना की तैयारियों की जानकारी लेते हुए निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन अनुसार सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। मतगणनाकर्मियों का प्रशिक्षण मंगलवार को आयोजित किया जाएगा।

एसडीएम की चार पहिया गाड़ी ने बाइक में मारी टक्कर, पति-पत्नी हुए घायल

टीकमगढ़। टीकमगढ़ के सिल्वर स्टेट रिसोर्ट के पास तारागढ़ तलैया पर एसडीएम के चार पहिया स्कॉर्पियो वाहन ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। इस दौरान वाहन चालक मौके से वाहन लेकर भाग गया। तारागढ़ तलैया पर एसडीएम के चार पहिया स्कॉर्पियो वाहन ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी।

इस घटना में बाइक पर सवार पति पत्नी घायल हो गए। घटना की सूचना रास्ते से गुजर रहे परिचित के व्यक्ति ने परिजनों को दी और घायलों को 108 की मदद से टीकमगढ़ जिला अस्पताल लाया गया। टीकमगढ़ जिला अस्पताल में घायल मंगल सिंह लोधी ने बताया कि वह मस्तापुर का रहने वाला है और वह अपनी पत्नी जमुना लोधी के साथ बाइक पर सवार होकर मस्तापुर से टीकमगढ़ जिला अस्पताल आ रहा था, तभी रास्ते में तारागढ़ की तलैया पर चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। जिस वाहन ने टक्कर मारी है, वह एसडीएम का वाहन था, जो मौके से भाग गया है।

जमीन विवाद में सगे भाइयों ने ही की थी रज्जू की हत्या, मोबाइल फोन से खुला राज

दमोह। तेजगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक पटेल ने बताया कि शनिवार शाम हरीराम और मृतक रज्जू लोधी दोनों पार्टी करने तालाब पर गए थे। जहां हरीराम ने भाई कैलाश के साथ मिलकर रज्जू की हत्या कर दी थी।

दमोह जिले में तेजगढ़ थाना के पुरा गांव में हुई रज्जू उर्फ डाल सिंह की हत्या के मामले में दो सगे भाई ही आरोपी निकले हैं। घटना स्थल पर मिले मोबाइल से ही इस हत्याकांड का खुलासा हो गया। भाइयों ने जमीन विवाद में अपने पड़ोसी की जान ले ली और हत्या के पहले चिकन पार्टी भी की थी। पुलिस ने दोनों आरोपी भाइयों पर हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

बता दें कि शनिवार रात रज्जू उर्फ डाल सिंह का शव तालाब किनारे परिजनों को रक्त रंजित हालत में मिला था। रविवार को तेजगढ़ थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे, जहां उन्हें एक मोबाइल फोन पड़ा मिला। वह फोन हरीराम रैकवार का था। पुलिस ने उस फोन को जब्त कर हरीराम की खोजबीन शुरू की और वह हरीराम मिल गया। पुलिस ने पूछताछ की तो उसने हत्या का जुर्म कबूल लिया। साथ ही पुलिस को बताया कि उसने अपने भाई के साथ मिलकर रज्जू लोधी की हत्या की है। बाद में पुलिस ने उसके भाई की खोजबीन शुरू की तो उसे भी गांव से पकड़ लिया। बाद में दोनों ने अपना जुर्म कबूल किया और तेजगढ़ पुलिस ने कार्रवाई के बाद सोमवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट भेजा।

जमीन विवाद बना हत्या की वजह

जुर्म कबूल करने के बाद हरीराम रैकवार ने तेजगढ़ पुलिस को बताया कि रज्जू का घर उसके पास में है। रज्जू की नजर उसके घर के पीछे बारी की जगह पर थी। वह एक वर्ष से उस जमीन पर कब्जा किए हुए था। रोकने पर वह गंदी-गंदी गाली देकर जलील करता था। शनिवार के दिन भी रज्जू ने गलियां दी।

शाम के समय आरोपी हरीराम रज्जू को लेकर तालाब पहुंचा, जहां दोनों ने चिकनी पार्टी कर शराब का सेवन किया और वहां भी जमीन को लेकर विवाद हो गया। उसी दौरान हरीराम का भाई कैलाश रैकवार भी पहुंचा गया। हरीराम ने रज्जू पर लाठियों से हमला कर दिया और उसके भाई ने रज्जू के सिर पर पत्थर पटक दिया, जिसके कारण रज्जू की मौत हो गई।

तेजगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक पटेल ने बताया कि जांच शुरू की तो घटना स्थल पर कुछ बर्तन और एक मोबाइल फोन मिला, जो हरीराम रैकवार का था। बाद में जानकारी लेने पर पता चला कि शनिवार की शाम हरीराम और मृतक रज्जू लोधी दोनों पार्टी करने तालाब गए थे। जहां हरीराम ने भाई कैलाश के साथ मिलकर रज्जू की हत्या कर दी थी। क्योंकि रज्जू उसकी जमीन हड़पना चाहता था। आरोपियों पर हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया और जेल भेज दिया गया।

जिला अस्पताल में घोर अमानवीयता, वार्ड बॉय ने मरीज को स्ट्रेचर से नीचे पटका

दमोह। सीएमएचओ डॉक्टर सरोजिनी जेम्स बैक ने बताया कि घायल को शराब के नशे में होना उन्हें बताया गया है। वीडियो उनके पास भी आया है, उन्होंने इस मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

दमोह जिला अस्पताल प्रबंधन का एक अमानवीय चेहरा सामने आया है, जिसमें एक वार्ड बॉय घायल को स्ट्रेचर से नीचे पट्टी पर पटकता हुआ दिखाई दे रहा है। यह पूरी हरकत अस्पताल के सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई और सोमवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें वार्ड बॉय की आमनवीयता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। जब हड़कंप मचा तो सिविल सर्जन सहित अन्य अधिकारियों ने मीडिया से दूरी बना ली। वहीं, सीएमएचओ ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है, वह जांच कर रहे हैं।

इस मामले में बताया जा रहा है कि डायल हंड्रेड पुलिस के द्वारा घंटाघर के सड़क हादसे में घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया था। युवक का नाम भवानी साहू बताया जा रहा है। जब वह अंदर स्ट्रेचर पर लेटा हुआ था, उस दौरान वीडियो में दिखाया जा रहा है वार्ड बॉय उसके साथ दो बार मारपीट करता है। इसके बाद स्ट्रेचर पर लिटाकर अन्य वार्ड बॉय एवं एक पुलिस आरक्षक के साथ वह कमरे से बाहर निकलता है और पट्टी पर लिटाने के लिए वह स्ट्रेचर से उसे नीचे पटक देता है।

आमनवीयता यहीं खत्म नहीं हो जाती। इसके बाद वह वार्ड बॉय पुलिस आरक्षक के साथ मिलकर उसकी पैंट पड़कर ऊपर उठाता है और उसके नीचे जो गद्दी रखी रहती है, उसे ज़ोर से खींचता है। अब सोशल मीडिया पर सोमवार को यह वीडियो वायरल हुआ तो अस्पताल प्रबंधन ने मीडिया से दूरियां बनाना शुरू कर दिया। क्योंकि एक रात पहले ही शनिवार को एक और मामला सामने आया था, जिसमें एक महिला की मौत के बाद जब परिजनों को शव वाहन नहीं मिला तो परिवार के लोग शव को बाइक पर ले जाने लगे। लेकिन बाद में ई-रिक्शा के माध्यम से वह घर ले गए और उसके बाद यह वार्ड बॉय की अमानवीय हरकत का वीडियो वायरल हो गया। इसकी सभी के द्वारा निंदा की जा रही है।

जब इस मामले में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर राजेश नामदेव से बात करने का प्रयास किया तो कई बार फोन लगाने के बावजूद भी उन्होंने मोबाइल रिसीव नहीं किया।

सीएमएचओ डॉक्टर सरोजिनी जेम्स बैक से इस मामले में बात की, उन्होंने बताया कि घायल को शराब के नशे में होना उन्हें बताया गया है। वीडियो उनके पास भी आया है, उन्होंने इस मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित ने इस मामले में एसपी और कलेक्टर को शिकायत करने की बात कही है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से नानी और नाती की मौत

शहडोल। शहडोल के सोहगपुर थाना अंतर्गत ग्राम मैका में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, ग्राम मैका निवासी शंखी चौधरी (50) पति रामचरण चौधरी अपने नाती आयुष चौधरी (11) पिता तीरथ चौधरी के साथ सुबह ग्राम मैका तेंदु पत्ता तोड़ने गई हुई थी।

उक्त स्थान पर गांव के अन्य लोग भी मौजूद थे। इस बीच सुबह जब बादल गर्जना के साथ बारिश होने लगी तो बाकी लोग अपने अपने घर लौट गए। जबकि मृतिका अपने नाती को लेकर वहीं समीप स्थित यूकेलिप्टस प्लांट के पास छुप गई। तभी तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट मे आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जब काफी देर बाद भी मृतिका व उसका नाती घर नहीं लौटे तो परिजनों द्वारा उनकी खोजबीन शुरू की गई। उसके बाद दोनों का शव वहीं जंगल में पड़ा हुआ मिला। जानकारी लगने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। फिलहाल, मर्ग कायम कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

प्रदेश की जेलों में बदलेगा अंग्रेजों के जमाने का मिजाज

जेल डीजी ने बताया क्या होगा बड़ा बदलाव ?

केन्द्रीय जेल ग्वालियर (म.प्र.)

ग्वालियर। मध्यप्रदेश की जेलों की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इसकी तैयारी और समीक्षा दोनों चल रही है। अब जेलों को दंडात्मक लिहाज से कम और सुधारात्मक मोड़ में ज्यादा प्राथमिकता के साथ संचालित किया जाएगा। यह संकेत मध्य प्रदेश के जेल महानिदेशक ने ग्वालियर में केंद्रीय जेल का निरीक्षण करने के बाद दिए। जेल डीजी जीपी सिंह आज ग्वालियर प्रवास पर पहुंचे और उन्होंने यहां ग्वालियर सेंट्रल जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान यहां केंद्रीय कारागार ग्वालियर से जुड़े सभी बड़े सरकारी और जेल पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहे। सेंट्रल जेल का निरीक्षण करने के बाद डीजी जीपी सिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि मैंने आज ग्वालियर सेंट्रल जेल का निरीक्षण किया है, इस दौरान जेल में बंद कैदियों से भी मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि जेल विभाग चाह रहा है कि जेल की व्यवस्थाओं का कॉन्सेप्ट चेंज किया जाए और दंडात्मक के स्थान पर सुधारात्मक व्यवस्था पर ज्यादा ध्यान दिया जाए। भारत सरकार जो नए कानून लागू करने वाली है, उसी के तहत जेल प्रशासन के कानून में भी बदलाव किया जाएगा और ब्रिटिश राज से लागू कानून में सुधार और उसके स्वरूप में परिवर्तन किया जाना है। इसके साथ ही जेल की व्यवस्थाओं को कैसे बेहतर किया जाए, इस संबंध में भी प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन की ओर से आध्यात्मिक प्रोग्राम शुरू किए गए हैं, जिससे जेल में रह रहे कैदियों के व्यवहार को सुधारा जा सके। डीजी जेल के अनुसार बंदियों की सुविधाओं में भी वृद्धि के लिए प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान बंदियों से चर्चा की है, उन्होंने कुछ सुझाव भी दिए हैं, लेकिन कोई विशेष शिकायत नहीं हुई है। हाल ही में ग्वालियर केंद्रीय कारागार से जुड़े वीडियो वायरल होने और उनमें जेल में भ्रष्टाचार एवं कैदियों की मलाई के नाम पर होने वाली वसूली के आरोपों पर जेल डीजी ने कहा कि मामले की अभी जांच चल रही है। इसमें जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समय से नहीं हुआ जल प्रदाय परेशान जनता ने किया प्रदर्शन

भीषण गर्मी में पांच से छह दिन में चल रहे नल

लोकहित की पुकार, ब्यावरा। सूर्यदेव का पारा 45 डिग्री से उपर चल रहा है ऐसे में पीने के पानी का संकट हो तो लोग परेशान हो जाएगें कुछ ऐसा ही नजारा इस समय शहर में दिखाई दे रहा है। जहां रविवार को भी पानी के संकट को लेकर पटेल नगर में तपती दोपहरी में प्रदर्शन करते हुए लोगों ने अपनी आवाज उठाई वहीं सोमवार को भी प्रदर्शन का क्रम दूसरे दिन शहर के वार्ड क्रमांक 17 में हुआ जहां पर लोगों ने समय पर जल प्रदाय नहीं होने से परेशान होकर सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया व नगर पालिका हाय हाय के नारे लगाएं। सैंकड़ो की संख्या में पहुंचे पानी के संकट से परेशान लोगों ने बताया कि पानी समय से नहीं मिल रहा है।

प्रदर्शन के दौरान ही नपा द्वारा जल प्रदाय शुरू कर दिया गया जिससे बीच में ही प्रदर्शन कारी पानी भरने के लिए प्रदर्शन स्थल से चले गए। वहीं प्रदर्शन कर रहे लोगों के मध्य वार्ड क्रंमाक 17 के पार्षद प्रतिनिधी रमेश साहू ने पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे लोगों से समस्या जानी व उन्हे भी जल्दी ही हल करवाने की बात कही। भीषण गर्मी में जल संकट से परेशान सुठालिया रोड वार्ड क्रमांक 17 के रविशंकर सहित आसपास के लोगों ने सोमवार की शाम समय पर नहीं चलने से आक्रोशित होकर नपा के विरोध में सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। कुछ देर के लिए आक्रोशित लोगों ने मार्ग में आवाजाही कर रहे वाहनों को रोकते हुए चक्का जाम कर दिया। इस बीच में जल प्रदाय हो जाने के कारण प्रदर्शनकारी पानी भरने के लिए अपने घरों की तरफ चले गए। प्रदर्शनकारियों ने नगर पालिका पर समय से नहीं नल नहीं देने का आरोप लगाया व साथ ही नगर पालिका हाय हाय के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि इस समय शहर में पीने का पानी का संकट खड़ा हुआ है रविवार को भी नगर पालिका द्वारा अस्पताल मार्ग पर पटेल नगर में अवैध नल कनेक्शन काट दिए थे जबकि वहां पर नपा की तरफ से कोई पाइपलाइन नहीं थी उससे गुस्साएं है लोगों ने भी एक से डेढ़ घंटे तक सड़क पर आकर प्रदर्शन किया था। वहां पर पूर्व विधायक रामचंद्र दांगी के पहुंच जाने के बाद आश्वासन के तौर पर काटे गए नल कनेक्शन को मुख्य नपाधिकारी रईस खान ने पुन: जुड़वाते हुए मामले को शांत करवाया दिया था। उस प्रदर्शन को बीते हुए 24 घंटे नहीं हुए कि शहर में पानी को लेकर यह दूसरा बड़ा प्रदर्शन सुठालिया रोड़ रविशंकर नगर के पास हो गया। बताया जा रहा है कि कुशलपुरा एवं घोड़ापछाड़ नदी से शहर में पानी आता है लेकिन नपा की वितरण व्यवस्था सही नहीं है। नगर पालिका का विरोध भीषण गर्मी में पेयजल की आ रही दिक्कतों के चलते अब विरोध शुरू हो गया है व लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने लगे हैं।

बापू की शिष्या के ग्राम रोजडकला में हुए सत्संग में उमड़ा सैलाब, श्रद्धालुओं ने लगाए ठुमके

लोकहित की पुकार, सारंगपुर। पूज्य संत श्री आसाराम जी बापू की साधक शिष्या साध्वी मनीषा बहन के मुखरविद से मोहिनी एकादशी के पावन अवसर पर 19 मई रविवार की रात्री में श्री हनुमान मंदिर धर्मशाला ग्राम रोजड कला तहसील सारंगपुर में सत्संग का भव्य आयोजन रखा गया जिसमें समस्त साधक शिष्यों धर्म प्रेमी बंधुओ से सत्संग में पधार का धर्म लाभ और सतसंग में आए श्रद्धालुओं के द्वारा मधुर भजन में साधक को और ग्रामीण जनों ने आती हर्षित होकर ठुमके लगाए थेल गांव के सभी साधक शिष्यों के द्वारा धर्मलाभ लिया गया सत्संग के समापन पर महाप्रसाद का वितरण किया गया।

शाही जामा मस्जिद में जुमा की नमाज के समय में अंजुमन ने किया परिवर्तन

डेढ़ बजे के स्थान पर अब प्रत्येक शुक्रवार दोपहर एक बजे अदा होगी जुमा की नमाज

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

अंजुमन इस्लाम शाही जामा मस्जिद के द्वारा जन सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शाही जामा मजिस्द सारंगपुर में जुमा की विशेष नमाज के समय में परिवर्तन कर दिया है, जिसके बाद अब प्रत्येक शुक्रवार को अदा की जाने वाली जुमा की नमाज दोपहर डेढ़ बजे के स्थान पर दोपहर 1 बजे अदा की जाएगी।

उक्त जानकारी देते हुए सारंगपुर अंजुमन इस्लाम शाही जामा मस्जिद सदर एमए अलीम बाबा कुरैशी एवं सेकटरी डा. रफीक शेख ने बताया कि अवाम की राय से तय किया गया है कि आगामी 24 मई से हर शुक्रवार को शाही जामा मस्जिद में जुमे का कुतबा दोपहर 1 बजे होगा और उसके बाद नमाज अदा होगी। उन्होंने आमजन से आग्रह करते हुए कहा कि जनहित में हमारे द्वारा नमाज के समय में परिवर्तन किया गया है, इसलिए सभी नमाजी समय का ख्याल रखते हुए निर्धारित समय से पूर्व मस्जिद में पहुंचे और नमाज अदा करें।

सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का गंभीरता से निराकरण करें राजस्व अधिकारी : कलेक्टर

लोकहित की पुकार, राजगढ

सीएम हेल्पलाईन कि शिकायतों को गंभीरता से निराकरण करें। राजस्व् अधिकारी पीएम किसान सम्मान निधि, भू-अर्जन कि शिकायतों का भी समय सीमा में निराकरण करें। यह निर्देश कलेक्टर हर्ष दीक्षित ने कलेक्टोरेट सभागार में आयोजित समय सीमा बैठक में दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शिवप्रसाद मण्डटराह, संयुक्त कलेक्टर रत्नेप श्रीवास्तव भी मौजूद रहें।

बैठक में उन्होंने प्रभारी जेएसओ व नायब तहसीलदार मलावर द्वारा खादय विभाग की शिकायतों का संतुष्टी पूर्वक कार्य न करने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री हर्ष दीक्षित ने पीएचई व जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्र में जहां भी पानी की समस्या हो, वह तत्काल हैण्ड पम्प या ट्यूबवेल कि व्यवस्था कर आमजन को समय पर पानी उपलब्ध, हो यह सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी ब्यावरा ने बताया कि ब्या्वरा के सभी वार्डो में वर्तमान स्थिति में 71 ट्यूबवेल चालू है। साथ ही 30 से 40 टेंकर प्रतिदिन वार्डो में सप्लाई कर रहे है। बैठक में कलेक्टर श्री दीक्षित ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार व सीएमओ को निर्देशित किया कि हाईवे पर हो रहें अवैध अतिक्रमण को एक सप्ताह में हटाए। इस अवसर पर बैठक में सभी विभागीय जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

राजगढ़ में सिकती रोटी पर अचानक उभर आया दिल, इसे देख बढ़ गई लोगों की धड़कनें

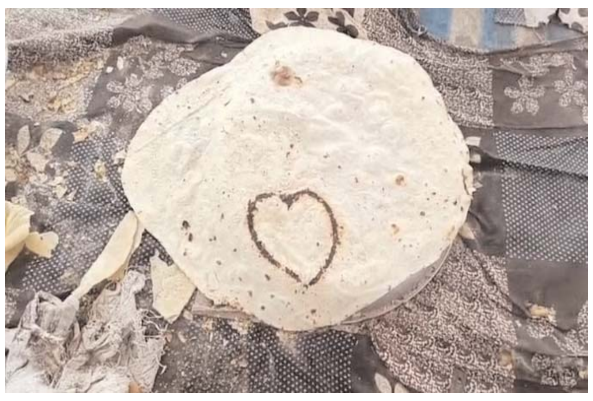

राजगढ़। राजगढ़ जिले के खिलचीपुर नगर में एक शादी समारोह के दौरान बड़े तवे पर बनी रोटी कुछ इस तरह से जली की उस पर दिल की तस्वीर छप गई। इसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसमें शादी विवाह आदि के कार्यक्रम में बड़े तवे पर बनाई जाने वाली रोटी पर दिल की तस्वीर छपी हुई नजर आ रही है।

जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला राजगढ़ के खिलचीपुर नगर में आयोजित एक शादी समारोह के कार्यक्रम का है। जहां एक खानसामा के द्वारा मांडे (बड़ी रोटी) बनाने का कार्य किया जा रहा था, जिसमें एक रोटी तवे पर सेकने के दौरान ऐसे जली कि उस पर दिल की तस्वीर छप गई। इसके वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर धूम मचा रहे हैं।

दरअसल, कार्यक्रम रविवार को खिलचीपुर निवासी मोहम्मद इरफान अंसारी के यहां आयोजित किया जा रहा था, जिसमें उनकी पुत्री की शादी के कार्यक्रम में राजगढ़ से खानसामा आरिफ और उनके भाई भोजन बनाने के लिए पहुंचे थे। इनके द्वारा शादी में मांडे (बड़ी रोटी) बनाने का कार्य किया जा रहा था। उसी दौरान एक रोटी जली और उसमें दिल नुमा आकार बन गया, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसमें लोग अपनी अलग-अलग प्रतिक्रिया देते हुए नजर आ रहे हैं।

गौरतलब है कि इस समय मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी का दौर है। जहां एक तरफ लोग बाहर निकलना भी पसंद नहीं करते। वहीं, यह खानसामा 45 डिग्री के लगभग तापमान के बीच रोटी बनाने का काम बढ़ी ही आसानी से करते हुए नजर आए।

खानसामा आरिफ बताते हैं कि वो लगभग 15 से 20 वर्षों से इस काम को अंजाम दे रहे हैं। मांडे के लिए इस्तेमाल की जाने वाली आटे की लोई का वजन 500 से 700 ग्राम के बीच होता है, जिसकी रोटी 300 ग्राम के लगभग वजनी होती है।

प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा जिला जेल राजगढ़ का निरीक्षण किया

लोकहित की पुकार, राजगढ

प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री राजीव कर्महे द्वारा सोमवार को जिला जेल राजगढ़ की व्यवस्थायें जांचने के उददेश्य से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव व जिला न्यायाधीश श्री योगीराज पाण्डेय तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मुकेश कौशल भी उपस्थित रहे।

प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा पुरूष बंदियों के समस्त बैरकों में पहुॅचकर बंदियों से चर्चा की। उनके लंबित प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की। प्रकरणों की स्थिति से अवगत कराया। बंदियों से जाना कि उन्हें समुचित स्वास्थ्य सुविधायें, उचित भोजन, स्वच्छ जल आदि जैसी मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल रहा है कि, नहीं ? तत्पश्चात् महिला बंदियों के बैरकों में पहुॅचकर महिलाओं की समस्यायें जानीं। महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों की उचित देखभाल के बारे में पूछा। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा बंदियों को नि:शुल्क विधिक सलाह व सहायता हेतु संचालित लीगल एड क्लीनिक, बंदियों के स्वास्थ्य हेतु संचालित डिस्पेंशरी, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा हेतु संचालित कक्ष, बंदियों हेतु भोजन बनाये जाने हेतु संचालित पाकशाला आदि का निरीक्षण भी किया गया। साथ प्रत्येक बैरकों बंदियों शौच गृह में साफ-सफाई, पानी की सुविधा, हाईजिन का निरीक्षण भी किया गया।

पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन खो-खो संगठन की अध्यक्ष बनी

इंदौर

इंदौर लोकसभा सीट से लगातार सांसद रही पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन लंबे समय बाद फिर खेलों की राजनीति में सक्रिय हुई है। वे फिर मध्य भारत खो-खो संगठन की अध्यक्ष बनी है।

वे पहले भी इस संगठन की जिम्मेदारी संभाल चुकी है, लेकिन लोकसभा स्पीकर बनने के बाद उन्होंने यह पद छोड़ दिया था, लेकिन राजनीति से दूर होने के बाद संगठन के पदाधिकारियों ने उन्हें फिर संगठन की जिम्मेदारी संभालने को कहा और वे निर्विरोध अध्यक्ष चुनी गई।

इंदौर में संगठन की सभा में उन्हें अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। उनका कार्यकाल चार वर्षों के लिए रहेगा। ताई पहले भी आठ वर्षों तक इस संगठन की अध्यक्ष रह चुकी है। जब वे लोकसभा स्पीकर थी तब उन्होंने खो-खो व अन्य खेल गतिविधियों के लिए चिमनबाग मैदान में एक छोटा इनडोर स्टेडियम भी बनवाया था। ताई के अलावा सचिव पद नितिन कोठारी की नियुक्ति हुई है।

मध्यभारत खो खो एसोसिएशन
भारतीय खो खो महासंघ से संबद्ध
आपका हार्दिक स्वागत करता है

इसके अलावा भाजपा पार्षद सुरेश टाकलकर, अशोक चव्हाण, राजू चिंतामण भी पदाधिकारी बने है। समारोह में ताई का शाल श्रीफल के साथ सम्मान किया गया। अध्यक्ष बनने के बाद अब महाजन इस संगठन को मान्यता दिलाने का प्रयास करेगी, क्योकि अभी मध्य प्रदेश खो-खो संगठन को खेल विभाग से मान्यता प्राप्त है। मध्य भारत संगठन से जुड़े खिलाड़ी राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लेते है, लेकिन इस संगठन को वोटिंग पॉवर नहीं है।

बम के मुद्दे पर भी मुखर थी महाजन

महाजन वैसे राजनीति से अब दूर है, लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान वे कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम के भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर मुखर रही। उनके बयान भी चर्चित रहे। उन्होंने कहा कि शहर की जनता अक्षय के भाजपा में आने से नाराज थी और नोटा को वोट देने की बात कह रही थी।

छात्रवृत्ति हेतु आवेदन भरने की अंतिम तिथि बढाई

राजगढ। पिछडा वर्ग तथा अल्पेसंख्यिक कल्या ण विभाग द्वारा पिछडा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2022-23 एवं 2023-24 में एम.पी. टास पोर्टल पर ऑनलाईन नवीन/नवीनीकरण छात्रवृत्ति हेतु आवेदन भरने की अंतिम तिथि 31 मई 2024 तक बढाई गई है। सहायक संचालक पिछडा वर्ग तथा अल्पगसंख्यवक कल्योण विभाग द्वारा प्राप्त2 जानकारी अनुसार जिले के समस्तर शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय में अध्यवयनरत शेष रहे विद्यार्थी समयावधि में छात्रवृत्ति हेतु आवेदन कर सकते है।

दैनिक लोकहित की पुकार के लिए स्वामी प्रकाशक मुद्रक संतोष पुष्पद द्वारा सोनू ग्राफिक्स राधा कृष्ण कांप्लेक्स सारंगपुर राजगढ़ 465697 से मुद्रित व सिविल अस्पताल रोड सारंगपुर राजगढ़ मध्यप्रदेश 465697 से
प्रकाशित, संपादक संतोष पुष्पद मोबाइल:- 94254 44 846- सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सारंगपुर रहेगा।